



चिंता मत करिए, सरकार दिलाएगी न्याय

जनता दर्शनमें सतदिखे योगी,अफसरों को दिए कड़े निर्देश

लखनऊ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया जिसमें विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के प्रति आश्वासन दिया। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और समस्याओं का समाधान लेकर आए लोगों से कहा कि चिंता मत करिए, सरकार हर व्यक्ति की समस्या का समाधान प्रतिबद्धता से कराएगी। और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करे कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए तुरंत और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएगी। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। बुधवार को भी जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार विवेकाधीन कोष से धन उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब भी गोरखनाथ मंदिर प्रवास पर होते हैं तो प्रातरूकाल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद अपने पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर शीश झुकाना, आशीर्वाद लेना उनकी दिनचर्या में शामिल होता है।

गिल का तूफानी दोहरा शतक

भारत ने 405 रन का लक्ष्य 43.3 ओवर में किया हासिल



गुवाहाटी एजेंसी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल के रिकॉर्डतोड़ दोहरे शतक और रोहित शर्मा के शानदार शतक की बदौलत भारत ने बुधवार को दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 405 रन बनाए थे। भारत ने 43.3 ओवर में दो विकेट खोकर 406 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।यह भारत के 52 साल के वनडे इतिहास में पहली बार है, जब उसने 400 से ज्यादा रन के लक्ष्य का सफल पीछा किया है। वनडे क्रिकेट में इससे पहले केवल दक्षिण अफ्रीका ने 400 से ज्यादा के लक्ष्य का सफल पीछा किया था। उसने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 438 रन का लक्ष्य हासिल किया था।कप्तान शुभमन गिल ने 133 गेंदों पर नाबाद 223 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 26 चौके और आठ छक्के लगाए। गिल ने 117 गेंदों में दोहरा शतक पूरा कर वनडे क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने ईशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 126 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था। यह गिल का वनडे में दूसरा दोहरा शतक है। इससे पहले उन्होंने 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रन बनाए थे।

राज्यसभा चुनाव : सपा से रामगोपाल और धनराज परिमल नाथवानी ने दाखिल किया नामांकन



लखनऊ,(एजेंसी.)। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने बुधवार को अपने दो प्रत्याशियों के नामांकन के साथ चुनावी प्रक्रिया में कदम आगे बढ़ा दिया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मौजूदगी में पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रो. रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवानी ने निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। नामांकन के दौरान अखिलेश यादव के साथ पार्टी महासचिव शिवपाल सिंह यादव, विधायक रविदास मेहरोत्रा, ओपी सिंह, अनुपम प्रधान समेत पार्टी के कई नेता और विधायकगण मौजूद रहे। दोनों प्रत्याशियों ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष नामांकन पत्र और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए। सपा विधायकों की मौजूदगी से नामांकन के दौरान पार्टी के भीतर चुनाव को लेकर सक्रियता भी नजर आई। उल्लेखनीय है कि प्रो. रामगोपाल यादव सपा के राष्ट्रीय महासचिव

ईसी के खिलाफ सड़क पर उतरेगा विपक्ष

इंडी गठबंधन के बाद खरगो ने आंदोलन का किया एलान



नई दिल्ली,एजेंसी। विपक्षी गठबंधन- इंडिया अलायंस की आज (बुधवार) को बैठक हुई। कांग्रेस के नेतृत्व में होने वाली इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए देशभर से कई राजनीतिक दल दिल्ली में इकट्ठा हुए। इसमें ममता बनर्जी की तुलना कांग्रेस से लेकर उमर अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत नेता थे। इस मीटिंग में स्पेशल इंटेलिजेंस रिविजन (एसआईआर) प्रक्रिया और चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके साथ ही कोऑर्डिनेशन मीटिंग के दौरान विपक्षी नेताओं के एसआईआर प्रोसेस और अन्य मुद्दों पर चर्चा किया गया। इस बैठक में इंडिया गठबंधन के लगभग 23 सहयोगी दलों के नेताओं के शामिल होने की संभावना है।पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष रहलु

NEW

Crocina

Cof & Throat

For quick relief from sore throat.



Starts to work from 1st minute*

*McNelly, et al (2009); Wade, et al (2011). *Data on file – Consumer Research study 2023; Wade, et al (2011). Creative visualization. ©2024. Trademarks are owned by or licensed to Haleon group of companies. Actual product may differ in appearance and size. Use as directed on pack.

भाजपा का मिशन 2027

यूपी फतेह के लिए बनाया मेगा प्लान

● लखनऊ-मथुरा से वाराणसी तक महामंथन

● 1 से 4 अक्टूबर तक सूबे के तीन बड़े केंद्रों में जुटेंगे दिग्गज, संघ भी संभालेगा मोर्चा

● सीएम योगी, वीएल संतोष और विनोद तावड़े की मौजूदगी में तैयार होगा चुनावी रोडमैप

विजय दुबे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में साल 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अभी से अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। लोकसभा चुनाव के अनुभवों से सबक लेते हुए पार्टी ने 'मिशन 2027' को फतह करने के लिए एक मेगा प्लान तैयार किया है। इसके तहत अक्टूबर के पहले ही हफ्ते में सूबे के तीन सबसे महत्वपूर्ण राजनैतिक और सांस्कृतिक केंद्रों-लखनऊ, मथुरा और वाराणसी में मेराथन बैठकों का दौर शुरू होने जा रहा है। 1 से 4 अक्टूबर के बीच होने वाले इस महामंथन में भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष पदाधिकारी रणनीति तैयार करेंगे। लखनऊ से शुरुआत, मथुरा में दो दिवसीय 'चिंतन' चुनावी तैयारियों की शुरुआत 1 और 2 अक्टूबर को राजधानी लखनऊ से होगी, जहां

मथुरा से चुनावी शंखनाद के सियासी मायने

राजनैतिक विश्लेषकों के अनुसार, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद अब भाजपा के एजेंडे में ब्रज क्षेत्र (मथुरा) सबसे ऊपर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार मथुरा-वृंदावन के विकास को गति दे रहे हैं। ऐसे में 2027 के चुनावी रण की बड़ी बैठक के लिए मथुरा को चुनावी बेहद रणनीतिक है, जिससे न सिर्फ पश्चिमी यूपी बल्कि पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं को एक बड़ा संदेश दिया जा सके।

इन तीन मुख्य बिंदुओं पर रहेगा फोकस :

नेताओं का रिपोर्ट कार्ड: बैठकों के दौरान वर्तमान विधायकों और मंत्रियों के कामकाज का जमीनी फीडबैक लिया जाएगा। त्रिस्तरीय संगठन की समीक्षा: बुध, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर पर संगठन को नए सिरे से सक्रिय और मजबूत किया जाएगा। विपक्ष के नेरेटिव की काट: पिछले चुनाव में विपक्ष द्वारा बनाए गए नेरेटिव को बेअसर करने और सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने की रणनीति बनगी।

यूपी बीजेपी के प्रभारी विनोद तावड़े और सह-प्रभारी नितिन नवीन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव कान्हा की नगरी मथुरा होगा। मथुरा में 3 और 4 अक्टूबर को दो दिवसीय बड़ी 'चिंतन बैठक' बुलाई गई है। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष और आरएसएस के सह-संस्थापक अरुण कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी पहले हफ्ते में ही पूर्वांचल के समीकरणों को साधने के लिए विशेष बैठकें प्रस्तावित हैं।

बांसकार समाज के हुनर को मिलेगा व्यापक बाजार, सरकार करेगी हरसंभव सहयोग: ब्रजेश पाठक

लोक हस्तक्षेप समाचार
लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार बांसकार समाज के पारंपरिक हुनर को आधुनिक बाजार और तकनीक से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। बुधवार को लखनऊ में अखिल भारतीय बांसकार महासंघ द्वारा आयोजित ‘बांसकार समाज महासम्मेलन’ को संबोधित करते हुए उन्होंने यह आश्वासन दिया। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्लास्टिक पर्यावरण के लिए अभिशाप है, जबकि बांस इसका एक बेहतरतीन प्राकृतिक विकल्प है। बांस आधारित उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग से करीगरो के लिए रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के नए अवसर पैदा होंगे। सरकार की मंशा है कि परंपरागत शिल्पकारों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिले और वे आत्मनिर्भर बनें।सम्मेलन में समाज द्वारा रखी गई मांगों पर उन्होंने संबंधित विभागों के स्तर से नियमानुसार हरसंभव समाधान कराने का भरोसा दिया। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित उत्तर प्रदेश, असम और मध्य प्रदेश के कई गणमान्य जन उपस्थित रहे।

आज जनपद पंहुवेगौं भाजपा की सेवा संकल्प बाइक यात्रा

लोक हस्तक्षेप समाचार
लखीमपुर खीरी। भाजपा की वड नगर से चलकर वाराणसी जाने वाली सेवा संकल्प बाइक यात्रा गुरुवार को जिले में आ रही है। यात्रा का जिले में भव्य स्वागत होगा। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भाजपा सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 अक्टूबर तक जिले भर में कार्यक्रम आयोजित कर रही है। बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष अरविन्द गुप्ता व सदर विधायक योगेश वर्मा ने प्रेसवार्ता में बताया कि एक अक्टूबर को शाम चार बजे वडनगर से वाराणसी जाने वाली यात्रा शाहजहांपुर से मोहम्मदी विधानसभा में प्रवेश करेगी। यहां जिलाध्यक्ष अरविन्द गुप्ता व मोहम्मदी विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह की मौजूदगी में स्वागत होगा। दो अक्टूबर को गांधी जयन्ती की सुबह योग, स्वच्छता अभियान, पौधरोपण के बाद यात्रा गोला प्रस्थान करेगी।गोला विधायक अमन गिरि यात्रा का स्वागत करेगे। गोला पहुंचकर निर्माणाधीन गोला कॉरिडोर का भ्रमण करेगी। दोपहर बारह बजे यात्रा श्रीनगर विधानसभा, डेढ़ बजे सदर विधानसभा के लालपुर में स्वागत होगा। मैंगलगंज होकर यात्रा सीतापुर रवाना होगी।

वाराणसी खंड MLC चुनाव में दो दिनों में 30 संभावित उम्मीदवारों ने खरीदे पर्व

लोक हस्तक्षेप समाचार
वाराणसी। वाराणसी खंड स्नातक व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन के दूसरे दिन बुधवार को किसी उम्मीदवार ने नामांकन नहीं किया। नामांकन के लिए आवेदन पत्र और चालान लेने का सिलसिला जारी है। इन दो दिनों में स्नातक एमएलसी के लिए 20 तो शिक्षक के लिए 10 ने चालान की निर्धारित धनराशि जमाकर नामांकन पत्र लिया। इनका चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। नामांकन करने वालों को पहले चालान से निर्धारित जमानत धनराशि जमा करनी पड़ती है। निर्वाचन आयोग ने जमानत धनराशि एससी-एसटी के लिए 5000 रुपये और शेष के लिए 10,000 रुपये निर्धारित किया है। इसके लिए चालान से निर्धारित लेखा शीर्षक से जमा कर रसीद संलग्न करना होता है।

बाढ़ से बेहाल केशव ग्रीन सिटी के लोगों ने NH-30 किया जाम दो घंटे थमे रहे वाहनों के पहिए

- पानी छोड़े जाने की सूचना नहीं मिलने से नाराज थे बाढ़ पीड़ित घरों में छूटा सामान**
- एंबुलेंस भी जाम में फंसी**
- डीएम-एसपी के मौके पर पहुंचकर समझाने के बाद खुला जाम**

लोक हस्तक्षेप समाचार
सीतापुर। सरायन और पिरही नदियों में बढ़े जलस्तर के चलते केशव ग्रीन सिटी पूरी तरह जलमग्न होने से नाराज बाढ़ प्रभावित लोगों ने मंगलवार शाम को नेशनल हाईवे संख्या- 30 पर जाम लगा दिया। करीब दो घंटे तक हाईवे पर आवागमन बाधित रहा और दोनों तरफ लगभग एक किलोमीटर से अधिक लंबा वाहनों का जाम लग गया। जाम में एंबुलेंस सेवा भी फंस गई। सूचना मिलते ही एसडीएम एडीएम पुलिस अधीक्षक जिलाधिकारी सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों को समझाने के बाद जाम खुल सका।

सूचना नहीं मिलने से घरों में छूटा सामान
बाढ़ प्रभावित लोगों का कहना था कि उन्हें पानी छोड़े जाने अथवा जलस्तर बढ़ने की समय रहते जानकारी नहीं दी गई जिसके कारण वे अपने घरों से जरूरी सामान नहीं निकाल सके। लोगों के मुताबिक घरों में बच्चों की किताबें महत्वपूर्ण अधिलेख कपड़े घोलू सामान और अन्य कीमती वस्तुएं छूट गईं। अचानक आई बाढ़ ने कई परिवारों को भारी परेशानी में डाल दिया।

स्थानीय 15 वर्ष पुरानी कालोनी में पहली बार ऐसा कहर
स्थानीय लोगों के अनुसार केशव ग्रीन सिटी करीब 15 वर्ष पुरानी कालोनी बताई जा रही है लेकिन इस बार सरायन और पिरही

प्राकृतिक खेती का बढ़ा क्रेज किसानों ने रसायनिक खादों से मोड़ मुंह

यूरिया के इस्तेमाल में 18% की भारी गिरावट, खरीफ सीजन में 78,525 बोरी कम लगा उर्वरक सरकार को हुई करोड़ों की बचत

लोक हस्तक्षेप समाचार
वाराणसी। किसान अब प्राकृतिक खेती को तवज्जो दे रहे हैं। वाराणसी में पिछले सीजन के मुकाबले 78हजार बोरी से कम उर्वरक का इस्तेमाल इसका प्रमाण है। कृषि विभाग ने जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए शहशहापुर में 40 एकड़ जमीन पर जैविक तरीके से सब्जी की खेती भी शुरू कराई है। ऐसे प्रयास ही उर्वरक के इस्तेमाल को सीमित कर रहे हैं। खरीफ सीजन में 67,462 हेक्टेयर क्षेत्रफल में पिछले वर्ष खरीफ के 10 फसलों की बुआई हुई थी। इसमें धान 49,883



हेक्टेयर में बोया गया जबकि बाजार 4184 हेक्टेयर में बोया गया था। अरहर दाल 4298 हेक्टेयर, मक्का 2390 हेक्टेयर, ज्वार

2499 हेक्टेयर, उर्द 1491 हेक्टेयर, मूंग की फसल 1198 हेक्टेयर, तिल 1237 हेक्टेयर में बोया गया था। इसमें उर्वरक का

‘वैकसीन के बाद भी फैला रैबीज’ हाइड्रोफोबिया से परेशान थे बुजुर्ग बांके से रेत लिया गुला

कानपुर,एजेंसी। कानपुर में बिधनू थाना क्षेत्र के धीरपुर गांव में 14 सितंबर को पागल कुत्ते के चेहरे पर काटने के बाद मानसिक हालत बिगड़ने से परेशान रामआसरे (57) ने मंगलवार सुबह खुद का गुला बांके से रेतकर खुदकुशी कर ली। परिजन के अनुसार वैकसीन लगवाने के बाद भी इसका असर नहीं हुआ। दिन पर दिन उनकी हालत बिगड़ती चली गई। वह पानी देखकर डरने लगे थे। घर से कुछ दूर खेत के पास स्थित मां काली के स्थान पर खुद की बलि देने की बात ग्रामीणों से बार-बार कर रहे थे। सुबह ग्रामीणों ने उसी स्थान के पास खुन से लथपथ शव पड़ा पाया। धीरपुर गांव निवासी शैलेश कुमार ने बताया कि रामआसरे उनके मामा थे और साथ में ही रहते थे। वह गांव में ट्यूबवेल के पास झोपड़ी बनाकर अक्सर वहां रुकते और खेती में हाथ बंटोते थे।

काली मां के स्थान पर बलि देने की बात करते थे: शैलेश के मुताबिक पागल कुत्ते के काटने के बाद उन्हें सीएचसी में वैकसीन लगावाई थी। करीब तीन दिन पहले हालत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां से हैलट रेफर किया गया। शैलेश के अनुसार हैलट से लौटने के बाद मामा बार-बार काली मां के स्थान पर बलि देने की बात करते थे। सोमवार दोपहर फिर से हालत बिगड़ने पर हैलट लेकर पहुंचे जहां रात को उन्होंने नई बिल्डिंग की खिड़की से कूदकर जान देने की कोशिश की।

मौके से बांका बरामद किया गया: वहां मौजूद डॉक्टरों और स्टॉफ ने किसी तरह उन्हें संभाला। रात में ही परिजन संग गांव लौट गए। भांजे के अनुसार मंगलवार सुबह करीब छह बजे वह घर से बिना बताए निकलकर झोपड़ी पर पहुंच गए। वहां उन्होंने मंदिर के पास बांके से अपना करीब साढ़े तीन इंच गहरा गुला रेतकर जान दे दी। सुबह खेतों की तरफ जा रहे ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी, तो पुलिस को सूचना दी गई।

क्षेत्रीय संघर्ष समिति ने जुलूस निकालकर की नारेबाजी

लोक हस्तक्षेप समाचार
बलिया। फेफना जक्शन रेलवे

स्टेशन पर सारनाथ एक्सप्रेस के ठहराव और फेफना-गड़वार मार्ग पर उपरिगामी सेतु के निर्माण की मांग को लेकर बुधवार को क्षेत्रीय संघर्ष समिति की ओर से जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल लोग बाजार भ्रमण करते हुए दोनों मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी किया। समिति के संयोजक जनादैन सिंह ने कहा कि क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर संघर्ष समिति लगातार आवाज उठा रही है। उन्होंने कहा कि बैकूड में समस्याओं और मांगों को प्रमुखता के साथ रखा गया था। समिति के सदस्यों ने कहा कि सारनाथ का ठहराव बहाल होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी।वहीं फेफना-गड़वार मार्ग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण होने से रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से लोगों को निजात मिल जायेगी। इस मौके पर प्रभुनाथ यादव, परमहंस सिंह, समरबहादुर यादव, गोगेश्वर सिंह, मुन्ना गुप्ता, मथुरा प्रसाद गुप्ता, हसन जावेद, शिवाजी, शिवम मोदनवाल, रमेश गुप्ता, रामचंद्र गुप्ता, अवधेश सिंह,

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए नगर पालिका ने खोले राहत स्थल 2585 लोगों के ठहरने की व्यवस्था

- नेहा अवस्थी की अपील— सामाजिक संस्थाएं और नगरवासी राहत कार्यों में बढ़-चढ़कर करें सहयोग संभावित वीमारियों से बचाव पर भी दें ध्यान।**

लोक हस्तक्षेप संवाददाता
सीतापुर। लगातार बारिश और जलभराव से उत्पन्न पानी की स्थिति को देखते हुए नगर पालिका परिषद सीतापुर ने प्रभावित लोगों के लिए राहत एवं ठहरने की व्यवस्था शुरू की है। नगर पालिका क्षेत्र में बनाए गए नूे बाढ़ राहत स्थलों पर लगभग 2५85 लोगों के ठहरने की क्षमता निर्धारित की गई है। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा अवस्थी ने शहर की सामाजिक संस्थाओं स्वयंसेवी संगठनों और नगरवासियों से बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आगे आने की अपील की है।

नगर पालिका की ओर से जारी सूची के अनुसार सहित धर्मशाला लोहारबाग में 350 नवीन धर्मशाला में 400 हजार इंटर कॉलेज में 500 अजमेन धर्मशाला में 75 उजार लाल इंटर कॉलेज में 250 इस्तामिया स्कूल

आलमनगर में 400 मुसाफिर खाना आलमनगर में 125 हिंदू कन्या पाठशाला में 425 तथा इन्दी धर्मशाला में 60 लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। इस प्रकार इन राहत स्थलों पर कुल करीब 2585 बाढ़ प्रभावित लोगों को आश्रय दिए जाने की व्यवस्था है।

प्रभावित परिवारों तक पहुंचे राहत नगर पालिका अध्यक्ष नेहा अवस्थी ने अपील करते हुए कहा कि शहर में जहां कहीं भी बाढ़ अथवा जलभराव से लोग प्रभावित हैं वहां जरूरतमंद परिवारों तक भोजन पेयजल आवश्यक सामग्री और अन्य राहत सुविधाएं पहुंचाने में सभी लोग सहयोग करें। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रशासन और नगरपालिका के साथ सामाजिक संस्थाओं तथा नगरवासियों की सामूहिक भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सामाजिक संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संगठनों से विशेष रूप से अपील की कि वे राहत स्थलों पर पहुंचकर जरूरतमंद लोगों की सहायता करें तथा भोजन पानी कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने में सहयोग करें।

ऑटो को तेज रफतार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने गारी टक्कर, 6 छात्र घायल

बदायूं एजेंसी। जनपद बदायूं के सहसवान कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने स्कूली बच्चों को ले जा रहे ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में छह छात्र घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने सभी घायल छात्रों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। पुलिस ने बताया कि ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा सहसवान-नाधा मार्ग पर मानकपुर गांव के पास बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुआ। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) हर्देश कुमार कठेरिया ने बताया कि सभी घायल बच्चे इब्राहिमपुर गढ़ी गांव के रहने वाले हैं।

घायलों की पहचान भगवती (16), किशनपाल (13), प्रीति यादव (17), नंदकिशोर (12), यमगोपाल (14) और रजनी (11) के रूप में हुई है।

संजय सेतु घाट पर हुआ रीवर रैचिंग प्रोग्राम

लोक हस्तक्षेप समाचार
बाराबंकी। जनपद के रामनगर स्थित संजय सेतु घाट पर बुधवार दोपहर 3 बजे रीवर रैचिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की योजना के तहत घाघरा नदी में 50 हजार मत्स्य अंगुलिकाएं (छोटी मछलियाँ) छोड़ी गईं। विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह ने इन्हें नदी में प्रवाहित किया। कार्यक्रम में मत्स्य विभाग समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।मत्स्य विभाग के अच्छलाल निषाद ने बताया कि योजना का उद्देश्य घाघरा नदी की पारिस्थितिकी को बेहतर करना, मछली उत्पादन बढ़ाना और मछुआरा समुदाय की आजीविका को सहारा देना है। नदी में मत्स्य अंगुलिकाओं के संचय से मछलियों की उपलब्धता बढ़ने की उम्मीद है। एमएलसी अंगद सिंह ने कहा कि घाघरा नदी करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़ी है। उन्होंने लोगों से नदी को साफ रखने और जलीय जीवों के संरक्षण में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने नदी को प्रदूषण से बचाने पर भी जोर दिया।कार्यक्रम के दौरान लोगों को नदी में प्रतिबंधित जाल का इस्तेमाल न करने और जलीय जीवों के संरक्षण की शपथ दलाई गई। अधिकारियों ने नदी के पर्यावरण को सुरक्षित रखने में स्थानीय लोगों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।अधिकारियों के मुताबिक नदी में मत्स्य अंगुलिकाओं के संचय से मछलियों की उपलब्धता बढ़ सकती है। इससे स्थानीय मछुआरों को अधिक मछली मिलने और उनकी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद है।मत्स्य अंगुलिकाएं मछलियों के छोटे बच्चे होते हैं, जिन्हें तालाब, झील या नदी में छोड़कर मछलियों की संख्या बढ़ाई जाती है।मत्स्य अंगुलिकाएं मछलियों के छोटे बच्चे होते हैं, जिन्हें तालाब, झील या नदी में छोड़कर मछलियों की संख्या बढ़ाई जाती है। अंडे से निकलने के बाद मछली जब थोड़ी बड़ी हो जाती है और उसका आकार लगभग उंगली जैसा होता है, उसे 'मत्स्य अंगुलिका' या 'फिंगरलिंग' कहा जाता है। इन्हें जलाशयों और नदियों में छोड़ा जाता है ताकि मछली उत्पादन बढ़े।

नवनियुक्त जिला प्रभारी डॉ. प्रेमचन्द्र मिश्र के आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

लोक हस्तक्षेप समाचार
बलिया। भाजपा के नवनियुक्त जिला प्रभारी डॉ. प्रेमचन्द्र मिश्र के जनपद में प्रथम आगमन पर पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।स्वागत समारोह मेंअपने संबोधन में डॉ. मिश्र ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन केवल पदाधिकारियों से नहीं, बल्कि बूथ स्तर पर मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं के परिश्रम से मजबूत होता है। प्रत्येक कार्यकर्ता से संवाद स्थापित करना और उनकी समस्याओं को समझना उनकी शायीयकता होगी। अपील की कि पार्टी के सभी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता आपसी समन्वय एवं टीम भावना के साथ संगठन को आगे बढ़ाने के लिए काम करें।

जिला अध्यक्ष का आश्वासन
जिलाध्यक्ष संजय मिश्र ने कहा कि जिला प्रभारी डॉ. प्रेमचन्द्र मिश्र के अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ उछाते हुए पार्टी को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी ताकत से कार्य किया जाएगा। इस दौरान राज्यसभा सांसद नीरज शेखर, विधायक केतकी सिंह, पूर्व मंत्री उपेन्द्र तिवारी, आनन्द स्वरूप शुक्ल व नारद राय, पूर्व विधायक संजय यादव, शिवशंकर चौहान, भगवान पाठक व सुरेन्द्र सिंह, जयप्रकाश साहू, देवेन्द्र यादव, विनोद दुबे, बाल्मीकि त्रिपाठी, नितेश सिंह, सुनीता श्रीवास्तव, राजधारी, छद्म राम, मिलन राम, प्रदीप सिंह, कृष्णा पाण्डेय, योगेश सिंह, ममंजु श्रीवास्तव, शशि चौरसिया, संतोष पांडेय, आलोक शुक्ल, संजीव डग्गु, आलोक सिंह, कमलेश सिंह, अरुण सिंह बंटे, भरत राय, राजेश सिंह, विजय लक्ष्मी सिंह, पंकज सिंह आदि थे। संचालन जिला महामंत्री हिमांशु प्रताप सिंह ने किया।हिंस बैल्थरारोड के अनुसार जिले की सीमा तुर्तीपार पर पूर्व मंत्री छद्म राम ने कार्यकर्ताओं के साथ जिला प्रभारी का स्वागत किया। उष्मांव चौराहे पर पहुंचते ही नय के पूर्व चेयरमैन दिनेश गुप्त, पूर्व विधायक गोरख पासवान व धनंजय कन्नौजिया, रीना राव आदि ने स्वागत किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष दिलीप सिंह राजपूत, अरुण लड्डु तिवारी, शशि चौरसिया, सखीचंद राजभर, प्रमोद सिंह, सुरेन्द्र चौहान, अरविंद सिंह, दयानंद वर्मा आदि थे।



प्रभावित परिवारों के लिए भोजन रहने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग किए जाने की जानकारी सामने आई है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि यह समय एक-दूसरे के साथ खड़े होने का है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग करें ताकि कोई भी परिवार राहत और आवश्यक सुविधाओं से वंचित न रहे।

राहत स्थलों की सूची ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि नगर क्षेत्र में प्रशासन को बड़ी संख्या में प्रभावित लोगों के लिए अस्थायी आश्रय की तैयारी करनी पड़ी है। अब राहत के साथ-साथ बाढ़ के बाद स्वच्छता और स्वास्थ्य सुश्चा पर भी विशेष निगरानी की जरूरत है।

योगी सरकार में 1,565 पीएम श्री स्कूलों में विद्यालय, अभिभावक और ग्राम समुदाय मिलकर गढ़ेंगे शिक्षा का नया परिवेश

लखनऊ,(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के पीएम श्री स्कूलों को शिक्षा के साथ जनभागीदारी और सामुदायिक सहभागिता के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। प्रदेश के 1,565 पीएम श्री स्कूलों में नवंबर में ‘मेरा गांव-मेरा विद्यालय’ कार्यक्रम का विशेष आयोजन किया जाएगा। ‘मेरा गांव-मेरा विद्यालय’ आयोजन के लिए 1,565 पीएम श्री स्कूलों के लिए कुल 46.95 लाख रुपये की वित्तीय सीमा निर्धारित की गई है। ‘मेरा गांव-मेरा विद्यालय’ कार्यक्रम के माध्यम से पीएम श्री स्कूलों को स्थानीय समुदाय से जोड़ने, अभिभावकों की सहभागिता बढ़ाने और बच्चों की प्रतिभा को मंच देने का प्रयास किया जा रहा है। विद्यालय, परिवार और ग्राम समुदाय की साझेदारी से तैयार यह पहल बच्चों की शिक्षा को सामाजिक सहयोग से जोड़ते हुए पीएम श्री स्कूलों को स्थानीय स्तर



पर सीखने, सहभागिता और विकास के केंद्र के रूप में और भी सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।‘मेरा गांव-मेरा विद्यालय’ कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय को उसके

सामाजिक परिवेश से जोड़ते हुए अभिभावकों, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों-

कर्मचारियों, शिक्षकों और अन्य स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इन्हें एक साझा मंच पर लाकर बच्चों की शिक्षा, नामांकन, ठहराव और सीखने की प्रक्रिया को और अधिक समृद्ध बनाया जाएगा। इस दौरान समुदाय को विद्यालय की गतिविधियों तथा समग्र शिक्षा से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

रैली से खेल तक, बच्चों की प्रतिभा को मिलेगा मंच

इस दौरान रैली/ प्रभातफेरी, नाटक एवं कहानी-वाचन, पोस्टर एवं कलाकृतियों की प्रदर्शनी तथा खेल प्रतियोगिताओं जैसी गतिविधियां होंगी। इसके साथ हस्ताक्षर अभियान और सेलेफी व्हाइट जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों, अभिभावकों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में विद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले

विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किए जाने का भी प्रावधान है, जिससे बच्चों में उपलब्धि के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास को प्रोत्साहन मिलेगा।

बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश

आयोजन में बाल अधिकारों के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा। इसके माध्यम से अभिभावकों और ग्राम समुदाय को बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए उनकी शिक्षा और संरक्षण के प्रति सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि पीएम श्री स्कूलों को समुदाय से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। ‘मेरा गांव-मेरा विद्यालय’ कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय, अभिभावक और ग्राम समुदाय मिलकर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर समाज कल्याण विभाग देगा ‘पीढ़ियों का साथ’ का संदेश

लखनऊ (संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग और हेलप्पेज इंडिया के सहयोग से 1 अक्टूबर को सुबह 9रू30 से गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम ‘वृद्धजन हितैषी भारत के लिए पीढ़ियों का साथ’ है, जिसका संदेश देखभाल, योगदान और जुड़ाव है। कार्यक्रम का उद्देश्य वृद्धजनों के सम्मान, उनकी गरिमा और सामाजिक सुरक्षा के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत पंजीकरण, राष्ट्रीय गीत और दीप प्रज्ज्वलन के साथ होगी। समाज कल्याण विभाग के निदेशक श्री संजीव सिंह द्वारा वृद्धजनों के लिए संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान सरकारी योजनाओं पर आधारित डॉक्युमेंट्री का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाले वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में ब्डी-लैक्व के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इनमें ‘अपने मां-बाप का तू दिल न दुखाना’ और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल होंगी। समाज कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव श्री अनुराग यादव द्वारा प्रेक्ष संदेश दिया जाएगा और वृद्धजनों के सम्मान के लिए प्रतिज्ञा भी दिलाई जाएगी। गौरतलब है कि प्रदेश में समाज कल्याण विभाग द्वारा वर्तमान में 76 वृद्धाश्रम संचालित हैं। इनमें 6,607 बुजुर्गों के रहने की सुविधा है। इनमें से 4,901 पात्र वृद्धजनों वृद्धावस्था का लाभ दिया जा रहा है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में यूपी ने बढ़ाया निवेश और रोजगार का दायरा : केशव



लखनऊ (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 के अंतर्गत राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति की 22वां बैठक में लिए गए निर्णयों और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में हो रही निरंतर प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विभागीय अधिकारियों, कार्मिकों, उद्यमियों तथा लाभार्थियों को बधाई दी है। प्रदेश सरकार कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, किसानों की उपज का मूल्य संवर्धन करने तथा युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए

निरंतर कार्य कर रही है।कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अध्यक्ष राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति की अध्यक्षता में बैठक में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत योजनाओं की प्रगति, नवीन निवेश प्रस्तावों, वित्तीय प्रोत्साहनों तथा उद्यमियों से संबंधित विभिन्न प्रकरणों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया 15 सितम्बर तक नीति के अंतर्गत 1,975 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 580 प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं तथा परियोजनाओं के लिए लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 29 सितम्बर तक 291 नवीन

आवेदन प्राप्त हुए हैं। स्वीकृत प्रस्तावों के सापेक्ष प्रथम एवं द्वितीय किरत के रूप में 132.61 करोड़ की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है।बैठक में नीति-2023 के अंतर्गत 51 नवीन प्रस्तावों पर विचार किया गया। इनमें फ्रोजन फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, कैटल फीड, डिहाइड्रेटेड फल एवं सब्जियां, मिठाई-नमकीन-बेकरी एवं आइसक्रीम, फ्रोजन रेडी-टू-ईट उत्पाद, पोटेटो फ्लेक्स, सोया उत्पाद, डेयरी एवं दुग्ध उत्पाद, दाल एवं आटा प्रसंस्करण, खाद्य तेल, सौर ऊर्जा आधारित खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों सहित विभिन्न मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।नवीन प्रस्तावों में महिला उद्यमी समूहों सहित विभिन्न इकाइयों द्वारा सौर ऊर्जा आधारित खाद्य प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना के प्रस्ताव शामिल हैं। रेडी-टू-कुक खाद्य उत्पाद, आटा, मसाले, दाल मिल, चावल मिल, सोया उत्पाद, ब्रेडक्रम्स, फ्रूट जूस, डिब्बाबंद फल एवं सब्जियां तथा गुड़ आधारित इकाइयां शामिल हैं।बैठक में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना की भी समीक्षा की गई। प्रदेश में अब तक 28,356 इकाइयों की स्थापना के लिए ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं तथा 24,883 इकाइयों को 1,040 करोड़ की अनुदान राशि वितरित की जा चुकी है।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में न्यायिक अधिकारियों ने छात्राओं को पाक्सो कानून के प्रति किया जागरूक

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के तत्वावधान में आज दिनांक 30.09.2026 को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, गोमती नगर, लखनऊ में विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता माननीय सदस्य सचिव डॉ. श्रीमती मनु कालिया ने की। शिविर में छात्राओं को पॉक्सो (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम) कानून की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर संतोष कुमार, सचिव उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री विनय सिंह, विशेष कार्यधिकारी, श्रीमती शालिन मिश्रा, उप सचिव, प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम नैट्टियाल, प्रवक्ता नितारा सिन्हा, नीलिमा सिंह एवं डॉ. ज्योत्सना सिंह सहित समस्त शिक्षिकाएं एवं पराविधिक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या द्वारा समस्त न्यायिक अधिकारियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। सदस्य सचिव डॉ. श्रीमती मनु कालिया ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित परिवेश प्रदान करना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना है। उन्होंने सरल और सुबोध भाषा में छात्राओं को गुड टच और बैड टच के अंतर को समझाया तथा बताया कि किसी भी अप्रिय या असहज स्थिति में वे बिना किसी डर के अपने माता-पिता, शिक्षकों या सीधे अधिकारियों से शिकायत कैसे दर्ज करा सकती हैं। विनय सिंह, विशेष कार्यधिकारी ने पाक्सो-2012 के प्रमुख प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों, महिला एवं बाल संरक्षण से संबंधित कानूनी व्यवस्थाओं तथा कानून के उल्लंघन



पर होने वाले कानूनी परिणामों के बारे में जागरूक किया। श्री संतोष कुमार, सचिव ने कहा कि आज के समय में बच्चों को कानून की बुनियादी जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। कई बार जागरूकता के अभाव में बच्चे शोषण का शिकार हो जाते हैं और डर या संकोच वश किसी को बता नहीं पाते। यह अभियान बच्चों के मन से उस डर को दूर करने और उनमें आत्मविश्वास जगाने का काम करेगा। शिविर में छात्राओं को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 और पाक्सो कानून के तहत मिलने वाली कानूनी सुरक्षा व सहायता के बारे में भी जानकारी दी गई। संवाद सत्र में विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं द्वारा पाक्सो एक्ट से संबंधित कई प्रश्न पूछे गए, जिनका समाधान न्यायिक अधिकारियों द्वारा विस्तार से किया गया। डॉ. मनु कालिया ने अपने अनुभवों और कई महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों की चर्चा करते हुए छात्राओं को निर्भीक होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

‘वाइफोफोबिया’ में दिखा नाटक के निर्देशक का अभिनय

लखनऊ (संवाददाता)। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के गुरु शिष्य परम्परा के अंतर्गत एवं उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के सहयोग से मंदर सेवा संस्थान द्वारा राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह भातखंडे संगीत विश्वविद्यालय कैसरबाग में हास्य-व्यांग से भरपूर नाटक ‘वाइफोफोबिया’ का शानदार मंचन किया गया।डॉ. राकेश ऋषभ द्वारा लिखित और प्रख्यात रंगकर्मी एवं फिल्म अभिनेता महेश चंद्र देवा के नाट्य परिकल्पना एवं निर्देशन में सजे इस नाटक ने दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ गंभीर सामाजिक संदेश भी दिया। नाटक ‘वाइफोफोबिया’ पुरुष प्रधान समाज और वैवाहिक जीवन के अंतर्विरोधों पर आधारित एक कराग व्यंग्य है। कहानी ‘वाइफोफोबिया’ (पत्नी का डर या खौफ) नामक एक काल्पनिक मनोवैज्ञानिक स्थिति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिससे पीड़ित होकर पुरुष अजीबोगरीब परिस्थितियों में फंस जाते हैं। नाटक में दिखाया गया है कि कैसे शादीशुदा जिंदगी के तनाव, संवाद होनात और समाज के

दबाव के कारण मगनलाल जैसे आम पुरुष इस ‘फोबिया’ का शिकार हो जाते हैं। जब वे अपनी इस अनोखी समस्या को लेकर डॉ. मरणेंद्र और उनके अजीब कपॉण्डर डोकेनद्र के पास पहुंचते हैं, तो अस्पताल के भीतर हास्य और भ्रम का एक नया सिलसिला शुरू होता है। वहीं दूसरी ओर एडवोकेट टटून सिंह और फूटन सिंह जैसे चरित्र मामले को कानूनी और सामाजिक रूप से और उलझा देते हैं। पत्नी शांति देवी का डर -भय तलाक तक आ जाता है दोनों का द्रष्ट इतना बढ़ जाता है कि शांति मगन को मार देती है लेकिन ये सब सपने में होता है क्योंकि कि वाईफोफोबिया की पुस्तक पढ़ रहा होता है। बेटी राध्या और पत्नी कहते है कि क्या बात है तो सपने में डर भय और वाइफ के डर को बताता है कि भगवान बचाए इस वाईफोफोबिया से.... नाटक बेहद हल्के-फुल्के और हास्यास्पद अंदाज में यह संदेश देता है कि वैवाहिक जीवन में डर या खौफ की नहीं, बल्कि आपसी समझ, सम्मान और प्रेम की जरूरत होती है। मंच पर नजर

आए प्रमुख कलाकारों में नाटक की सफलता में सभी कलाकारों का अभिनय सराहनीय रहा, जिन्होंने अपने जीवंत प्रदर्शन से दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। नाटक में मगन लाल का लाजवाब अभिनय से चरित्र को जीवंत किया महेश चंद्र देवा ने , मंच पर पहली बार अभिनय कर रही कलायथनी ने शांति देवी का, ननकड /फूटन का चरित्र आदित्य कुमार, डॉ. मरणेंद्र- कुलदीप श्रीवास्तव, एडवोकेट टटून सिंह-राहुल प्रताप सिंह, कम्पाउंडर डोकेनद्र- विशाल सिंह, तनोदित कलाकारों में पड़ोसन का रोली वर्मा एवं दामिनी कश्यप, मान लाल का बेटी को राध्या सिंह ने पहली बार मंच पर किरदार निभाया व मंच पर में मंच -संचालन आमिर मुख्तार, रंगदीपन एवं संगीत समपार सिंह, रूप सज्जा सहीर, मंच निर्माण एवं प्रापटी आदित्य,राहुल , कुलदीप, कात्यायनी की रही, फोटोग्राफी एवं वीडियो-अनवर बेग का रहा वेशभूषा एवं प्रस्तुति नियंत्रक किरन लता व मंच व्यवस्थापक - हरीश चंद्र, दीपक सोनकर थे।

अपराजिता का डबल खिताबी धमाल, अक्षय व आदित्य ने जोड़ीदारों संग जीते दोहरे खिताब

लखनऊ (संवाददाता)। अपराजिता घोषाल ने किरन अग्रवाल मेमोरियल लखनऊ जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला व अंडर-19 बालिका एकल के फाइनल में जीत से दोहरी विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। दूसरी ओर अक्षय पांडेय व आदित्य सिंह ने अपने-अपने जोड़ीदारों संग युगल में दोहरे खिताब जीते।

उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में लखनऊ बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा बीबीडी यूपी बैडमिंटन अकादमी, गोमतीनगर में आयोजित चैंपियनशिप के सीनियर व अंडर-19 वर्ग के फाइनल बुधवार को खेले गए। महिला एकल फाइनल में अपराजिता घोषाल ने प्रतिद्वंद्वी स्नेहा सिंह के खिलाफ वाकओवर से जीत दर्ज की। वहीं बालिका अंडर-19 एकल के फाइनल में शीर्ष स्त्रीय अपराजिता घोषाल ने अर्पणा सिंह को आसानी से 15-4, 15-4 से हराकर विजेता ट्रॉफी जीती। बालक अंडर-



19 एकल में शीर्ष वरीय अक्षय पांडेय ने दूसरी वरीय नीलेश भट्ट को 15-3, 16-14 से हराकर विजेता जीता। बालक अंडर-19

युगल फाइनल में अक्षय पांडेय व अतुल मोहन त्रिपाठी की जोड़ी ने अरिंजन प्रताप सिंह व शाश्वत कुमार शुक्ला को तीन गेम

तक चले रोमांचक मुकाबले में 10-15, 15-8, 15-10 से हराया। पुरुष एकल फाइनल में शीर्ष वरीय भूभेश उतरानी ने दूसरी

वरीय नीलेश भट्ट को 15-6, 15-11 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुरुष युगल में आदित्य सिंह व शीर्ष प्रताप सिंह की जोड़ी ने हर्ष मिश्रा व पौष्य यादव को 15-10, 15-10 से हराया। मिश्रित युगल में आदित्य सिंह व स्नेहा सिंह की जोड़ी ने भूभेश उतरानी व श्वेता राज वर्मा को 16-14, 15-10 से शिकस्त दी। पुरस्कार वितरण समारोह में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव डॉ. सुधर्मा सिंह, उपाध्यक्ष अरुण कक्कड़ व कोषाध्यक्ष रविंद्र चौहान ने पुरस्कार वितरित किए। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए आयोजन सचिव संदीप अग्रवाल ने अतिथिगण का स्वागत किया, जबकि आयोजन अध्यक्ष आयोजन अध्यक्ष राम मोहन अग्रवाल ने आभार जताया। इस अवसर पर मुख्य निर्णायक अजय कुमार, डॉ. अनुराग दीक्षित, अभिजीत यादव, मुकेश श्रीवास्तव, गोपाल कृष्ण श्रीवास्तव, नवीन पटेल सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ विश्वविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया पोषण माह 2026

लखनऊ (संवाददाता)।लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय एवं गृह विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज पोषण माह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम कला संकाय के अध्यक्ष एवं डीन प्रो. अरविंद मोहन तथा गृह विज्ञान विभाग की समन्वयक डॉ. मीरा सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में संतुलित पोषण, स्वस्थ जीवनशैली, मोटे अनाज (मिलेट्स) के उपयोग तथा पारंपरिक स्थानीय खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूकता प्रसारित करना रहा। कुलपति की गरिमाययी उपस्थिति एवं बीएमआई परीक्षण-मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स और प्रदर्शनियों का अवलोकन किया और प्रयासों की सराहना की। इस दौरान कुलपति ने स्वयं शआहार परामर्श एवं बीएमआई गणना केन्द्रश् में सहभागिता कर अपना बीएमआई (बीडी मास इंडेक्स) माप कराया और संतुलित आहार संबंधी परामर्श लिया। भव्य पोषण मेले में विविध गतिविधियों का संपम-समारोह परिसर को मेले के स्वरूप में आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह से प्रतिभाग किया- मिलेट्स एवं स्थानीय खाद्य काउंटर- बाजरा, ज्वार, रागी, कोदो आदि मोटे अनाज और पारंपरिक व्यंजनों के पौष्टिक गुणों को दर्शाते स्टॉल। रसिया प्रदर्शनों- विद्यार्थियों द्वारा तैयार नवाचारी और पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन।न्यूट्रिशन गेमिंग जोन- खेलों व पहेलियों के माध्यम से पोषण ज्ञान की व्यावहारिक जांच और व्यक्तिगत आहार परामर्श की सुविधा। नुककड़ नाटक रहा विशेष आकर्षण- कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नुककड़ नाटक रहा, जिसे उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसका जीवंत मंचन प्रज्ञा, सुधांगी, अप्साना, अनुपम, शक्ति और संजय द्वारा किया गया। नाटक के माध्यम से जंक फूड के दुष्प्रभावों, संतुलित पोषण, पोषण सुरक्षा और कुपोषण उन्मूलन का संभव संदेश दिया गया। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा ने किया पुरस्कार वितरण, विजेताओं को कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए- प्रथम पुरस्कार: एम.ए. गृह विज्ञान (प्रथम सेमेस्टर),द्वितीय पुरस्कार: क्लिनिकल डिप्लोमा इन न्यूट्रिशन एंड डायटेटिक्स,तृतीय पुरस्कार: एम.ए. गृह विज्ञान (तृतीय सेमेस्टर),सॉल्लना पुरस्कार: बी.ए. गृह विज्ञान, कार्यक्रम की शैक्षणिक व प्रबंधकीय गतिविधियों का संचालन डॉ. ऋचा सिंह, डॉ. रजनी सिंह, डॉ. रश्मि दीक्षित और डॉ. पारुल सैनी द्वारा किया गया। समापन विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय समुदाय द्वारा दैनिक जीवन में संतुलित आहार और मिलेट्स-आधारित खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

आरडीएसओ में सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विदाई समारोह का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। आरडीएसओ द्वारा श्रीकाजी मेराज अहमद, अपर महानिदेशक, आरडीएसओकी अध्यक्षता में दिनांक 30.09.2026को सितंबर-2026 में सेवानिवृत्त हुए02 अधिकारियोंएवं 03 कर्मचारियों हेतु एक विशेष विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशासन द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बधाई दी गयी। सेवानिवृत्ति समारोह मेंप्रधान मुख्य कर्मचारी अधिकारी एवं आरडीएसओ के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गंडक के बढ़ते जलस्तर के बीच योगी सरकार का राहत अभियान तेज

लखनऊ (संवाददाता)।उत्तर प्रदेश में बाढ़ की स्थिति को लेकर सरकार की ओर से प्रशासन को सक्रिय रखा गया है। कुशीनगर में बड़ी गंडक नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि के बाद राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने जिला प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने प्राथमिकता पर प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ ही उन्हें समय पर भोजन, राशन और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराया है।राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक 29 सितंबर को सुबह आठ बजे बड़ी गंडक नदी का जलस्तर 96.48 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के बिंदु 96 मीटर से 0.48 मीटर ऊपर था। वाल्मीकि नगर बैराज से भी बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण खड्डा तहसील के 18 और तमकुहीराज तहसील के 14 गांव प्रभावित हुए हैं।राहत कार्यों के तहत प्रभावित गांवों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 10 बाढ़ चौकियां और 16 राहत शिविर स्थापित किए हैं। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से प्रभावित परिवारों की जरूरतों पर लगातार नजर रखी जा रही है।बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी बाढ़ राहत दलों की टीमें तैनात की गई हैं। साथ ही स्थानीय स्तर पर भी नावों की व्यवस्था की गई है। रिपोर्ट के अनुसार राहत एवं बचाव कार्य के लिए स्थानीय गोताखोरों की 66 सदस्यीय टीम भी सक्रिय है।प्रभावित लोगों को भोजन की समस्या न हो, इसके लिए खड्डा तहसील में 13 और तमकुहीराज तहसील में तीन सामुदायिक रसोई स्थापित की गई हैं। रसोइयों के माध्यम से प्रभावित परिवारों को नियमित भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशासन की ओर से 13,030 लंच पैकेट और 2,100 राशन किट वितरित किए जा चुके हैं। राहत सामग्री की उपलब्धता और वितरण की लगातार निगरानी की जा रही है।बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दो मेडिकल टीमें को लगाया गया है। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों तक आवश्यक चिकित्सा सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

राजकीय आईटीआई अलीगंज में आयोजित अप्रेंटिसशिप ड्राइव में 95 अम्यर्थियों का चयन

लखनऊ (संवाददाता)।मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के अंतर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अलीगंज, लखनऊ में दिनांक 30 सितंबर 2026 को अप्रेंटिसशिप ड्राइव का आयोजन किया गया। संस्थान में टाटा मोटर्स लि., हेला इंडिया तथा जेएनपीक पैकर्स द्वारा आयोजित इस ड्राइव में युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया गया। संस्थान के प्रधानाचार्य श्री राज कुमार यादव ने बताया कि प्रदेश सरकार की रोजगारपरक सोच के अनुरूप युवाओं को निजी क्षेत्र में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ड्राइव का आयोजन किया गया। उन्होंने कंपनी प्रतिनिधियों से अधिकाधिक अर्थार्थियों का चयन करने का आग्रह किया तथा चयनित अर्थार्थियों को समय पर कार्यभार ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया।

सरकार का उपभोक्ताओं को बड़ा तोहफा लगातार चौथे महीने बिजली बिल में राहत

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की उपभोक्ता हितों को प्राथमिकता देने की नीति का अस्र बिजली उपभोक्ताओं के बिलों पर दिखाई दे रहा है। विद्युत क्रय लागत में कमी का लाभ प्रदेश के उपभोक्ताओं तक पहुंचाते हुए अक्टूबर माह के बिजली बिल में 5.24 प्रतिशत की राहत दी जाएगी। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी कर दिए हैं। यूपीपीसीएल के निदेशक वाणिज्य प्रशांत वर्मा ने बताया कि अक्टूबर माह के लिए इंधन एवं विद्युत क्रय समायोजन अधिभार (एफपीपीएसए) की दर (-)5.24 प्रतिशत निर्धारित की गई है। ऋणात्मक एफपीपीएसए का लाभ उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में समायोजित किया जाएगा।



गांधी के अखबार की राजनीति

गांधी के सामाजिक आंदोलन के इस पक्ष को बारीकी से समझने और उनके आंदोलन की ताकत को जानने और तब के राष्ट्रीय आंदोलन में उसकी स्थिति का अनुमान लगाने का सबसे अच्छा माध्यम उनका शहरिजनश् नामक अखबार ही है जो तीन भाषाओं में निकला और उनकी हत्या के बाद भी काफ़ी समय तक निकलता रहा। गांधी खुद अंग्रेजी अखबार का संपादन करते रहे और उनके सबसे भरोसे के विद्वान लोग गुजराती हरिजन बंधू और हिन्दी हरिजन सेवक का सम्पादन उनकी देखरेख में करते रहे। यह अखबार या यह पूरा प्रयोग गांधी के अछूतोंद्वार (जिस पद पर आज के सचेत दलित नाराजी जाता है) कार्यक्रम को बनाने का सबसे बड़ा माध्यम है पर यह गांधी की पत्रकारिता का भी सबसे प्रभावी और बड़ा प्रयोग है।गांधी की भागीदारी उनके सभी अखबारों में भरपूर थी लेकिन इसमें शायद सबसे ज्यादा थी। बीच आजादी की लड़ाई में शुरू होने पर भी इसने राजनैतिक स्वर एकदम मॉडिम ही नहीं किया, लगभग भुला दिया। इससे लिए छुआछूत, मंदिर प्रवेश, सार्वजनिक कुएं-तालाब तक अछूतों की पहुंच, दलित बच्चों की शिक्षा, रोजगार और मान-सम्मान ही एकमात्र प्राथमिकता रही। हर अंक में हरिजन सेवक संघ के संचित ठ्कर बापा की रिपोर्ट हर क्षेत्र में होने वाली प्रगति की सूचना देने के साथ उसकी कमीबेसी को भी रेखांकित करती थी। गांधी खुद शास्त्रों के अध्ययन और संस्कृत विद्वानों से चर्चा के बाद छुआछूत के हर पहलू पर लिखते थे और अखबार में प्रकाश करने के लिए छुआछूत शास्त्रोक्त नहीं है। चूंकि यह चीज धर्म और नैतिकता से जुड़ी थी इसलिए गांधी कानून बनाने या सकारी मदद से इसे दूर करने की जगह उसके शास्त्रीय पक्ष को साफ़करके लोगों का मन बदलना चाहते थे। और गांधी ही नहीं उनके सारे बड़े मित्र और तब के दिग्गज भी इन सवालों पर अखबार में नियमित लिखा करते थे। लेकिन इस मुहिम का प्राण गांधी ही थे और तब अखबार उनका प्राण बन गए थे। सविनय अवज्ञा आंदोलन में गांधी, प्रकाशकर स्वामी आनंद और शंकरलाल बैकेर के जेल चले जाने पर यंग इंडिया और नवजीवन का प्रकाशन बंद हो गया था। उन्होंने अपने पुराने अखबारों को दोबारा शुरू भी नहीं किया जो आजादी की लड़ाई में यह तेज हज़ार तक गये थे। उनके प्रकाशन से जुड़े सारे लोग जेलों में बंद दिए गए थे। लेकिन दूसरे गोलमेज सम्मेलन के अनुभव और अंग्रेजी सरकार के षडयंत्रकारी मन को जानने के बाद गांधी को अछूतोंद्वार से बड़ा कोई कार्यक्रम नहीं लगाता था।

हिन्दू-मुसलमान सवाल पर उनकी तत्परता से जो परिणाम मिला उसकी तुलना में जाति व्यवस्था की कुरीतियों वाले सवाल पर ज्यादा सफलता मिली। इन सबसे भी ज्यादा दिलचस्प पक्ष यह है कि सिफ़ेलितों के सवाल और सामाजिक मुद्दों को उठाने के बावजूद गांधी का अखबार हरिजन उनके अखबारों में सबसे बड़ा हिट साबित हुआ। ज्यादा दिन नहीं हुए जब उसने दस हजार की प्रसार संख्या हासिल कर ली। यह तेज हज़ार तक गया जो गांधी की किसी भी अखबार की सबसे बड़ी प्रसार संख्या है। गांधी का यह अखबार 11 फ़वरी 1933 को पुणे से प्रकाशित हुआ। इसके प्रकाशक अनंत पटवर्धन थे और संपादक संस्कृत के विद्वान आर वी शास्त्री थे पर अखबार गांधी का था क्योंकि नब्बे फ़ीसदी से ज्यादा सामग्री उनके नाम से छपी है। दो साल बाद महादेव देसाई संपादक बने तब भी ज्यादा बदलाव नहीं दिखता। हिन्दी के संपादक प्रसिद्ध लेखक वियोगी हरि थे जिनके सहयोगी हरिभाऊ उपाध्याय थे। तीनों अखबारों का हर शब्द पर गांधी की छाप दिखती है। बहुत बाद में गांधी का दिमाग कहे जाने वाले उनके साथी किशोरलाल मशरुवाला को तीनों अखबारों का संपादक बनाया गया और आखिर में उन्होंने गुजरात विद्यापीठ को सभालने वाले गणित और दर्शन के जानकार मानभाई देसाई को अखबार का जिम्मा सौंपा। हरिजन के पहले अंक में सबसे ऊपर रवि बाबू की एक कविता है और पहले पन्ने से हरिजन सेवक संघ के सचिव ठ्कर बापा की रिपोर्ट है कि कौन-कौन से मंदिरों के द्वार अछूतों के लिए खुले हैं, कहा- कहा कुंआ और तालाब सबसे लिए उपलब्ध हैं, किस-किस जगह अछूतों के लिए स्कूल बने हैं (हरिजन सेवक संघ ने बनाए थे)। यह रिपोर्टिंग लगातार बाद के अंकों में भी चलती रही थी और बाद में जब वियोगी हरिजी सचिव बने तो उनके जिम्मे यह काम रहा। पहले अंक की सूचना के अनुसार सर्वेक्ट्स आफ अनटचेबल सोसाइटी इसका प्रकाशक थी। अखबार आठ फ़ुलपेज पन्नों का था। अखबार साप्ताहिक था। हिन्दी और गुजराती अखबारों की प्रॉब्लेमी अलग-अलग थी पर समका स्वर एक था। आज के हिसाब से पहले अंक की सबसे बड़ी सामग्री बाबा साहब का बयान है। गांधी ने हरिजन के प्रकाशन के अवसर पर डॉ. अबेडकर से संरक्ष मांगा था। बाबा साहब का जवाब था कि वे खुद को कोई संदेश देने लायक (बड़ा) नहीं मानते। सो उन्होंने जाति व्यवस्था को आलोचना और उसकी समाप्ति की इच्छा वाला एक छोटा बयान दिया था। गांधी ने उसे प्रमुखता से संरक्ष के साथ ही जाति व्यवस्था को दूर करने के आंदोलन में ज्यादा लंबा लेख जवाब के रूप में छपा है। इसमें छुआछूत पर फोकस है और उसे अछूतों से भी ज्यादा पूरे हिन्दू समाज के लिए अभिशाप बताया गया है। एक और लंबा लेख छुआछूत पर ही है। लेकिन इस अंक में गांधी ने हरिजन नाम और अंग्रेजी में छपने की मजबूरी को लेकर जो सफाई दी है वह पर्याप्त महत्वपूर्ण है। आज काफ़ी सारे लोग हरिजन कहना और कहलाना पसंद नहीं करते। लेकिन गांधी के छुआछूत विरोधी और जाति व्यवस्था की बुराियों को दूर करने के आंदोलन में ज्यादातर समय यही पद इस्तेमाल हुआ है। यह पद भक्त कवि नरसिंह मेहता के एक भजन से लिया गया है। तब यह चला भी बहुत लेकिन अस्सी के दशक से जो नया दलित आंदोलन उभरा है उसे यह पसंद नहीं है और जब उसे ही यह नामपसंद हो तो दूसरों को कहने का अधिकार भी नहीं रहता। दूसरे अंक का फोकस मद्रास एसेम्बली में पेश छुआछूत संबंधी बिल की चर्चा है जिसे जयकर ने पेश किया था। इस अंक में कलकत्ता की दलित बस्ती में काम की रिपोर्ट वसंत मोरारका ने दी है और बापा की शुरुआत वीकट वीकट भी ऊपर है। अंग्रेजी शासन की नीतियों पर अलग से आलोचना इज दिस ब्रदरलैन्स शीपॉक है से तो गांधी और पंडित मालवीय के पत्राचार को प्रकाशित किया गया है जिसमें छुआछूत की शास्त्रीय वैचारिकता ने दी है और बापा की शुरुआत का केंद्र बन जाना होगा। दोनों ही चीजें गांधी की चिंता और प्रयत्न को बताती हैं। और उन पर यह भूत ऐसा चढ़ा रहा कि उन्होंने बिहार भूकंप को वहां के समाज द्वारा बरते लेाव खुले छुआछूत से जोड़ दिया। यह आलेख इस पत्रिका का कोई

भारत की नजर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट पर

अपनीस्थिति कोमजबूत करनेकेलिए,भारत कोफिजी,अमेरिका,ऑस्ट्रियाऔरश्रीलंकाकेअलावाऔरभी समर्थन की जरूरत है।चुनाव सालमें एक बार गुप्त मतदान के जरिए होते हैं और इसके लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, भले ही उम्मीदवारों का कोई विरोध न हो। जी-4 देश स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करते हैं, और कुछ यूरोपीय देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी का समर्थन करते हैं। हालांकि, चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, जिनमें कितनी नई सीटें जोड़ी जाएं और नए सदस्यों के लिए वीटो पावर का विवादस्पद सवाल शामिल है। कई देशों से समर्थन मिलने के बावजूद, भारत को नई सीटों और वीटो पावर को लेकर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वह एक ऐसे प्रस्ताव का समर्थन करता है जिसमें शुरू में नए स्थायी सदस्यों के लिए वीटो अधिकार शामिल नहीं हैं, ताकि मौजूदा सदस्यों की चिंताओं को दूर करते हुए बेहतर प्रतिनिधित्व को बढ़ावा दिया जा सके।



जरूरत है। अभी इस बात की कोई साफ़समय-सीमा नहीं है कि भारत यह लक्ष्य कब हासिल करेगा या करेगा भी या नहीं। भारत का मानना है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का मौजूदा ढांचा अब अप्रतिष्ठ हकीकत को नहीं दिखाता है। उसका तर्क है कि सबसे बड़े लोकतंत्र और बढ़ती अर्थव्यवस्था के तौर पर उसकी स्थिति उसे एक अहन वैश्विक शिखराई बनाती है। शक्ति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनो में उसकी बड़ी भागीदारी से दिखती है, जहां उसने स्थिरता बनाए रखने में मदद के लिए बला रखने में उसके योगदान को मान्यता दी है। हालांकि, सुरक्षा परिषद के ढांचे को बदलना मुश्किल है क्योंकि इसके लिए मौजूदा पांच स्थायी सदस्यों-अमेरिका, रूस, चीन, फ़्रांस और यूनाइटेड किंगडम-की आम सहमति की

कोऑपरेशन से तान्जिकिस्तान को मिलने वाला समर्थन भारत के लिए मुकाबले को और मुश्किल बना सकता है। अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए, भारत को फिजी, अमेरिका, ऑस्ट्रिया और श्रीलंका के अलावा और भी समर्थन की जरूरत है। चुनाव साल में एक बार गुप्त मतदान के जरिए होते हैं और इसके लिए दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, गले ही उम्मीदवारों का कोई विशेष न हो। जी-4 देश स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करते हैं, और कुछ यूरोपीय देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी का समर्थन करते हैं। हालांकि, चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, जिनमें कितनी नई सीटें जोड़ी जाएं और नए सदस्यों के लिए वीटो पावर का विवादस्पद सवाल शामिल है। कई देशों

से समर्थन मिलने के बावजूद, भारत को नई सीटों और वीटो पावर को लेकर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वह एक ऐसे प्रस्ताव का समर्थन करता है जिसमें शुरू में नए स्थायी सदस्यों के लिए वीटो अधिकार शामिल नहीं हैं, ताकि मौजूदा सदस्यों की चिंताओं को दूर करते हुए बेहतर प्रतिनिधित्व को बढ़ावा दिया जा सके। जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसदीय सत्रों में दोहराया है, भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) में सक्रिय रूप से शामिल है।भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए व्यापक समर्थन जुटाने की दिशा में काम कर रहा है। इस राजनीतिक जुड़ाव में वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना और अतिरिक्त सदस्यों को वीटो पावर देने के

विकास को बढ़ावा देने और साझा चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की कवालत करता है क्योंकि उसका मानना है कि मौजूदा ढांचा अब 21वीं सदी की वास्तविकताओं को नहीं दर्शाता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के प्रति भारत की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनो में उसके महत्वपूर्ण योगदान से साबित होती है। देश ने हजारों कर्मियों को तैनात किया है, जिससे वैश्विक स्थिरता बनाए रखने के लिए समर्पित एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में उसकी प्रतिष्ठा और मजबूत हुई है। कई यूरोपीय देशों ने भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है, तथा इसे परिषद के गौरव प्रतिनिधित्व में विविधता लाने के एक तरीके के रूप में देखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुरक्षा परिषद में अफ्रीका के हिस्से और नजरिए को ठीक से दिखाने के लिए उसे स्थायी सीट मिलनी चाहिए। फिर भी, स्थायी सदस्यता का रास्ता मुश्किल है और इसके लिए मौजूदा स्थायी सदस्यों के बीच सावधानी से बातचीत और आम सहमति बनाने की जरूरत है। यह कंशिए अलग-अलग क्षेत्रों में भारत की कुलीनकिक पहुंच की परीक्षा लेगी, खासकर वैश्विक दक्षिण, ओआईसी सदस्यों, एससीओ देशों, अफ्रीकी देशों, द्वीपीय देशों और प्रमुख पश्चिमी साझेदारों के बीच।

शाकाहार है स्वस्थ और संतुलित दुनिया का आधार

ललित गर्ग

बढ़ती बीमारियों, तनावपूर्ण जीवन और पर्यावरणीय संकटों के बीच मनुष्य को अपने खानपान पर नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता महसूस हो रही है। जीवन की गुणवत्ता और निरोगता के लिए आहार में परिवर्तन के स्वर आज दुनिया के अनेक हिस्सों में सुनाई दे रहे हैं। इसी संदर्भ में शाकाहार केवल भोजन की एक चर्द्धति नहीं, बल्कि करुणा, अहिंसा, स्वास्थ्य, पर्यावरण-संरक्षण और संतुलित जीवन का व्यापक दर्शन बनकर सामने आ रहा है। प्रतिबंध 1 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व शाकाहार दिवस इसी जीवनशैली के प्रति जागरूकता पैदा करने का अवसर है। इस दिवस का आरंभ 1977 में नॉर्थ अमेरिकन वैजेंटरियन सोसायटी की पहल से हुआ और 1978 में इंटरनेशनल वैजेंटरियन यूनियन ने इसका समर्थन किया। इसका उद्देश्य शाकाहार से जुड़े स्वास्थ्य, पर्यावरणीय, नैतिक और मानवीय पक्षों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शाकाहार को किसी संकीर्ण धार्मिक या खानपान की पहचान तक सीमित न रखकर उसे स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के रूप में समझा जाए। भोजन मनुष्य के शरीर को ही नहीं, उसके विचारों और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। जैसा भोजन, वैसी वृत्ति और जैसी वृत्ति, वैसा जीवन-यह भारतीय चिंतन की महत्वपूर्ण धारणा रही है। शाकाहार इसी दृष्टि से शरीर और मन दोनों के लिए संतुलन का माध्यम बन सकता है। फल, सब्जियां, दालें, अनाज, मेवे, बीज और अन्य वनस्पति-आधारित खाद्य पदार्थ उचित संतुलन के साथ लिए जाएं तो वे स्वस्थ आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि किसी भी आहार-पद्धति में पोषण-संतुलन आवश्यक है और व्यक्ति को उम्र, स्वास्थ्य तथा ज़रूरतों के अनुसार भोजन का चयन किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी के अनुसार भोजन केवल स्वाद का विषय नहीं, आत्मसंयम का भी विषय है। वे स्वाद पर नियंत्रण को जीवन-साधना का हिस्सा मानते थे। वास्तव में भोजन का उद्देश्य केवल जिज्ञा को संतुष्ट करना नहीं, शरीर को स्वस्थ रखना और जीवन को संयमित बनाना होना चाहिए। आज जब स्वाद और बाजार की संस्कृति हमारे खानपान को तेजी से प्रभावित कर रही है, तब शाकाहार हमें संयम, सादगी और विवेक की



और लौटने का अवसर देता है। शाकाहार का संबंध केवल स्वास्थ्य से नहीं, करुणा और अहिंसा से भी है। भारत की सांस्कृतिक चेतना में ‘अहिंसा परमो धर्मः’ की भावना ने सदियों से जीवन को दिशा दी है। भगवान महावीर ने प्रत्येक जीव में जीवन की समानता को स्वीकार करते हुए अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च आधार बनाया। गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी और अनेक संतों-मनीषियों ने भी करुणा और अहिंसा को मानवीय जीवन का मूल मूल्य माना। जैन दर्शन तो जीव मात्र के प्रति मैत्री और करुणा को जीवन की आधारभूमि मानता है। इसलिए शाकाहार केवल थाली में परिवर्तन नहीं, दृष्टि में परिवर्तन है-वह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि हमारे भोजन की कोमत किसी दूसरे जीव के जीवन से तो नहीं चुकाई जा रही। शाकाहार का एक महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण से जुड़ा है। पशुपालन और औद्योगिक मांस उत्पादन के लिए भूमि, जल, चारा और ऊर्जा की बड़ी मात्रा की आवश्यकता होती है। पशुधन से जुड़ी गतिविधियां ग्रीनहाउस गैसों,

जल उपयोग और भूमि पर दबाव जैसे पर्यावरणीय प्रश्नों से भी जुड़ी हैं। ऐसे समय में जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, जल-संकट, भूमि क्षरण और जैव-विविधता के संकट से जूझ रही है, टिकाऊ और संतुलित खाद्य प्रणालियों पर विचार करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से पौध-आधारित भोजन की ओर बढ़ना रझान पर्यावरणीय विमर्श का भी हिस्सा बन रहा है। शाकाहार का अर्थ केवल मांसाहार का त्याग नहीं है। इसका अर्थ भोजन के प्रति सजगता है। विश्व के अनेक देशों में पौध-आधारित भोजन के प्रति रुचि बढ़ी है। कभी मांसाहार को आधुनिकता और समृद्धि का प्रतीक मानने वाले समाजों में भी अब स्वास्थ्य, पर्यावरण और पशु-कल्याण के प्रश्नों पर नए सिरे से विचार हो रहा है। अनेक



पेश:- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकराी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के दय्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

बूषभ:- शासन-सत्ता के लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुन:- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढ़ेगी।

कर्क:- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्धेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंह:- कुछ नई संकल्प बलवती होंगी। प्रयासरत्न क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या:- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का हेहसास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय की अपेक्षित है। सन्तति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुला:- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुविधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिक:- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखरेगी।

धनु:- सम्बन्धों में व्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकर:- बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभ:- अन्तमरुछी स्वभाव को त्याग बहिर्मुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख-दुःख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन:- पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हाल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

बुजुर्ग समाज की शान, ज्ञान का करो मान

ऋतुपर्ण दवे

बुद्ध हमारे परिवार और समाज की गरिमा हैं। शान हैं। एक तरह से धरोहर हैं। समाज में बुद्धजनों की भूमिका केवल एक परिवार के बुजुर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज के नैतिक और सांस्कृतिक आधार भी हैं। उनका जीवन, अनुभव और ज्ञान समाज को सही दिशा दिखाने में महत्वपूर्ण होता है। आज जब इस दौर में समाज में अलगाव और व्यस्तता बढ़ रही है, बुद्धजनों की देखभाल और सम्मान के प्रति समाज की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। समाज, परिवार और राष्ट्र के निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों के अमूल्य योगदान का सम्मान करना तथा उनके स्वास्थ्य, अधिकारों और गरिमापूर्ण जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय बुद्ध दिवस मनाया जाता है। इस केक काम को शुरुआत अंतरराष्ट्रीय बुद्धज्जन दिवस के रूप में पहली बार 1 अक्टूबर 1991 में हुई। हर वर्ष इसी दिन मनाने का निर्णय 14 दिसंबर 1990 को संयुक्त राष्ट्र महासभा लिया। हर साल 1 अक्टूबर को हम अपने करीब के चिकित्सावियों में ऐसा कुछ देखते हैं जो वास्तव में



केलेण्डर में नहीं होता है। 70-80 वर्ष की आयु के मर्षज जो अभी भी अकेले आते हैं, अपनी दवाइयों का समय खुद तय करते हैं और लक्षणों को कम करके आंकते हैं क्योंकि वे किसी को परेशान नहीं करना चाहें। यह दिन स्वस्थ बुद्धवस्था वास्तव में कैसी होती है, इस पर चर्चा करने का अवसर है, न कि केवल इसे सरसरी तौर पर रसम अदायगी कर मानना ​​है। बुजुर्गों की देखभाल के बारे में हम बातें तो बहुत करते हैं लेकिन अमल में नहीं लाते। बस इसी कथनी

और करनी की खाई पाटने के लिए अंतरराष्ट्रीय बुद्ध दिवस की परिकल्पना की गई। निश्चित रूप से इस दिन को समारोह पूर्वक मनाने से समाज में काफ़ी बदलाव आया है। लोग सजग हुए हैं खासकर वो युवा जो कल बुद्ध होंगे एक सकारात्मक सोच और अपना भविष्य देखने के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह एक अच्छा संकेत है। हर वर्ष एक नए थीम के साथ इस दिन को इसलिए भी मनाया जाता है ताकि बुजुर्गों की देखरेख को लेकर नए-नए विचार

और सुधार को अंजाम दिया जा सके। इस वर्ष की थीम +द एज ऑफ लॉनेविटी, रीथॉफ़िन सिस्टम्स फॉर लॉगर लाइफ्स+ यानी +दीर्घायु का युग, दीर्घायु के लिए प्रणालियों पर पुनर्विचार+ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अब दुनिया के आधे देशों में औसत आयु 75 वर्ष से अधिक हो गई है, जो 1950 की तुलना में 2030 तक 25 वर्ष अधिक होने का अनुमान है। एक अनुमान के अनुसार, वैश्विक स्तर पर बुजुर्गों की संख्या युवाओं से अधिक है और

विकासशील देशों में यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसलिए वृद्धों की देखरेख, उनके योगदान, ज्ञान, गरिमा और ज़रूरतों को स्वीकार करने और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी और उसमें नए-नए संशोधनों और वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए इस दिन पूरे विश्व में गहन विचार विमर्श होता है और नए कार्यक्रमों, सुधारों और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को शामिल किया जाता है। इसीलिए हर वर्ष एक नए थीम के साथ यह दिन मनाया जाता है। विश्व में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों की संख्या वर्तमान में लगभग 1.25 अरब है, जो कुल वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2020 में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 1 अरब थी। अब दुनिया में हर 9 में से 1 व्यक्ति की उम्र 60 साल या उससे अधिक है। 65 वर्ष से अधिक उम्र के अज दुनिया में लगभग 83 करोड़ लोग हैं। अनुमान है कि 2030 तक दुनिया में हर 6 में से 1 व्यक्ति 65 वर्ष या उससे अधिक आयु का होगा और तब इनकी संख्या लगभग 1.4 अरब होगी। 2050 तक का

अनुमान है कि यह संख्या लगभग दोगुनी यानी 2.1 अरब हो जाएगी। जबकि 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों की संख्या 2030 से 2050 के बीच तीन गुना बढ़कर 42.6 करोड़ हो जाने का अनुमान है। अभी चीन दुनिया में सबसे बड़ी बुजुर्ग जनसंख्या वाला देश है जो लगभग 193.8 मिलियन है। जबकि भारत लगभग 97.7 मिलियन बुजुर्गों के साथ दूसरे स्थान पर है, वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका 57.1 बुजुर्गों के साथ तीसरे क्रम पर है। इस बार बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, ऑस्टियोआर्थराइटिस और जोड़ों का दर्द, ऑस्टियोपोरोसिस, हृदवाहिनी रोग, सज़्ञानात्मक गिरावट और मनोभ्रंश, दृष्टि और श्रवण हानि, अवसाद और सामाजिक अलगाव, स्वस्थ दीर्घायु को बढ़ावा देने में अस्पतालों की भूमिका पर आधारित थीम के साथ निश्चित रूप से बुद्धज्जनों की बेहदरी के लिए काफ़ी कुछ होगा। प्रसिद्ध अमेरिकी कवि और शिक्षाविद् हेनरी वल्डस्वर्थ लॉफ़फ़ेलो का यह उद्धरण हमारे बुजुर्गों के लिए काफी है, %बढ़ती उम्र नहीं है कम, किसी युवा से, है बदला रूप बस, जिस तरह संथा का धुंधलका बढ़ता और दिखाई देते तारे, रहते जो अदृश्य दिन के प्रकाश में ।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में महेवा ब्लॉक का दबदबा

लोक हस्तक्षेप समाचार
इटावा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय चित्रकला, भाषण एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन जनपद के प्रतिष्ठित राजकीय विद्यालय, इटावा के आशा सभागार में किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में महेवा ब्लॉक के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परचम लहराया।सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में लोकमान्य रूरल इंटर कॉलेज, महेवा के छात्र भावेश कुमार ने द्वितीय स्थान तथा इसी विद्यालय की छात्रा निहारिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं जनता विद्यालय इंटर कॉलेज, बकेवर के छात्र कुलदीप सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।चित्रकला प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में जनता विद्यालय इंटर कॉलेज, बकेवर की छात्रा संगम पांडेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि श्री सुखदेवी बालिका विद्यालय की लक्ष्मी प्रजापति ने जूनियर वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया।इसी क्रम में भाषण प्रतियोगिता में राजकीय विद्यालय, लुधियानी के छात्र संस्कार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिला विद्यालय निरीक्षक अतुल कुमार सिंह ने सभी सफल प्रतिभागियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया।प्रतियोगिताओं में महेवा ब्लॉक के विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन पर प्रधानाचार्य शिव शंकर त्रिपाठी, प्रवक्ता शिव शंकर यादव,मंजुलता , राजकुमार, देवेंद्र सिंह यादव, शिववीर सिंह, विजयकांत पाल, सुधीर कुमार पोरवाल, अशोक कुमार सहित समस्त शिक्षकों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी शिक्षा छात्र-छात्राओं को बधाई दी। शिक्षकों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखरने का अवसर मिलता है और उनमें आत्मविश्वास एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास होता है।

दामाद ने ससुराल में फांसी लगाकर की आत्महत्या

लोक हस्तक्षेप समाचार
इटावा।महेवा। थाना बकेवर क्षेत्र के अंतर्गत हाड़वे के निकट नागयण पेटेल पंप के पीछे ससुराल आए दामाद ने अज्ञात कारणों वश नीम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने मृतक के साले से पोस्टमार्टम करए जाने हेतु तहरीर लेकर शव का पंचनामा भरकर शव को पी एम हेतु भिजवाया वहीं मौके पर थाना प्रभारी बकेवर विपिन मलिक ,चौकी प्रभारी महेवा रजनीश तिवारी मय फोर्स के पहुंचे ।

मृतक के साले विकास पुत्र मुन्नी लाल नागर निवासी ग्राम टिलीटीला ने बताया कि मृतक युवक गौरव नागर पुत्र धीरज नागर निवासी मलाजनी जसवंतनगर इटावा उम्र 28 वर्ष उसका जीजा था करीब 06 वर्ष पूर्व उसकी बहन काजल से शादी हुई थी पिछली 03 सितंबर को नोएडा से उसकी बहन को मारपीट कर भगा दिया था मृतक शराब का आदी था मृतक के दो बेटियां एक बेटा है वहीं मृतक के परजनों को भी पुलिस द्वारा सूचना दी गई मृत्यु का सही कारण तो पी एम रिपोर्ट के बाद ही पता लगेगा।

एडीओ ने किया शौचालय का निरीक्षण

लोक हस्तक्षेप समाचार
महेवा /निवाड़ीकला विकास खंड क्षेत्र महेवा की विभिन्न ग्राम पंचायतों में एडीओ पंचायत महेवा ने सामुदायिक शौचालयों के संचालन व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया जहां कई जगह गंदगी मिली तो कई जगह शौचालय बंद मिले ।

प्राप्त विवरण के अनुसार सहायक विकास अधिकारी पंचायत महेवा इंद्रपाल सिंह भदौरिया ने बुधवार की सुबह करीब दस बजे ब्लॉक क्षेत्र महेवा की ग्राम पंचायत अहरीपुर का औचक निरीक्षण किया जहां उन्हें सामुदायिक शौचालय बंद मिला व केयर टेकर गैर मौजूद मिली पंचायत सहायक द्वारा जब बुलाकर खुलवाया गया तो साफ सफाई संतोषजनक न पाकर एडीओ ने फटकार लगाई व सचिव को केयर टेकर का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया ।

वही ग्राम निवाड़ी कला में शौचालय की समरसेबल खराब थी तथा एक तरफ टाइल्स भी टूटे थे जिसे ग्राम सचिव बबू राजा को तत्काल बदलावाये जाने के निर्देश दिए ।वहीं टडवा इस्माइलपुर में शौचालय का टैंक भरे होने की जानकारी केयरटेकर द्वारा दी गई जिसे सचिव विकास यादव को खाली कराने ,जगमोहनपुर तथा इंद्रावखी में भी निरीक्षण किया जहां छोटी पूरी कमियां पाए जाने पर तत्काल दूर करने का संबंधित सचिवों को निर्देश दिया एडीओ पंचायत श्री भदौरिया ने ब्लॉक क्षेत्र के सभी सफाई कर्मियों ,केयर टेकर को समय से इश्टूटी करने साफ सफाई दुरुस्त करने का निर्देश दिया तथा कमी पाए जाने पर विभागीय कार्यवाही करने की चेतावनी दी।वही इस दौरान अहरीपुर सचिव अनुष्का दुबे ,इंद्रावखी सचिव विकास तथा ऋतिक कुमार आदि मौजूद रहे।

प्लास्टिक प्रबंधन केंद्र पहुंचे स्कूली बच्चों ने जाना कैसे कचरे से बनती हैं सड़कें

लोक हस्तक्षेप समाचार
इटावा। महेवा । स्थानीय ब्लॉक मुख्यालय महेवा की मुख्यालय ग्राम पंचायत महेवा में निर्मित ब्लॉक स्तरीय प्लास्टिक प्रबंधन केंद्र पर पहुंचकर स्कूली छात्र छात्राओं ने जानकारी प्राप्त की तथा केंद्र की महत्ता को समझा ।इस मौके पर मौजूद ग्राम विकास अधिकारी महेवा अजय कुमार ने छात्र छात्राओं को बताया कि इसमें महेवा ब्लॉक की सभी

91 ग्राम पंचायतों सहित भरथना ,चकरनगर,बड़पुरा ब्लॉक से भी प्लास्टिक आती है जिसे महीना काटकर आपूर्ति किया जाता है तथा पन्नी को काटकर सी सी निर्माण ,सड़क निर्माण आदि में प्रयोग होता है ।वही मौजूद राजू दुबे ने बताया कि हम सभी प्लास्टिक तथा पन्नी का प्रयोग कम से कम करना चाहिए इससे प्रदूषण बढ़ रहा है इतना ही नहीं हमें अन्य लोगों को भी प्लास्टिक के कम प्रयोग के लिए प्रेरित करना चाहिए ।वही लोकमान्य रूरल इंटर कालेज के दर्जनों छात्रों सहित केयर टेकर मोहर सिंह मौजूद रहे ।

ग्राम चौपालों में अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर किया निदान

लोक हस्तक्षेप समाचार
इटावा।महेवा। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित हो रही ग्राम चौपालों के क्रम में बुधवार को ग्राम पंचायत मेंहदीपुर में तथा अहरीपुर में ग्राम चौपालों का आयोजन किया गया मौजूद अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर निदान किया तथा ग्राम विकास हेतु चर्चा कर लोगों से प्रस्ताव लिए ।ग्राम अहरीपुर में ग्राम प्रशासक संगीता बर्मा की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया ग्राम सचिव अनुष्का दुबे ने शासन की जन्हनित कारी योजनाओं पर प्रकाश डाला वही ग्रामीणी की राशनकार्ड ,शौचालय , आवास ,सड़क निर्माण ,जलनिष्कास आदि पर चर्चा हुई ग्राम प्रशासक संगीता वर्मा ने वरीयता क्रम सभी समस्याओं को हल करने का लोगों को विश्वास दिलाया वही इस दौरान संदेश वर्मा ,पंचायत सहायक निशा ,संदीप यादव सहित आननवाड़ी ,आशा कार्यकर्त्री सहित कई लोग मौजूद रहे।वही इसी क्रम में ग्राम पंचायत मेंहदीपुर के पंचायत घर में ग्राम प्रशासक सजु कुमारी की अध्यक्षता में तथा नोडल अधिकारी एडीओ पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया की मौजूदगी में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम सचिव अश्वधेश गौतम ,लेखपाल विवेक यादव ,कृषि विभाग से सत्यपाल सिंह ,पंचायत सहायक नीलेश आदि सहित सेकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे लोगों को विभागीय जन्तकरी योजनाओं के बारे में बताया गया तथा ग्राम विकास पर चर्चा की गई ।

इटावा/महेवा,गुरुग्राम,सीतापुर, उन्नाव

बाल विकास परियोजना महेवा में मिशन वात्सल्य की बैठक आयोजित

लोक हस्तक्षेप समाचार
इटावा।महेवा। स्थानीय ब्लॉक सभागार महेवा में बाल विकास परियोजना अधिकारी के संयोजन में तथा खंड विकास अधिकारी महेवा बृज बिहारी त्रिपाठी की अध्यक्षता में बुधवार को दोपहर 12 बजे मिशन वात्सल्य के अंतर्गत ब्लॉक बाल संरक्षण की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया ।

बैठक में बाल संरक्षण अधिकारी सोहन गुप्ता ने बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण, देखभाल एवं उनके अधिकारों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई उन्होंने कहा कि अनाथ बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना द्वारा अधिकतम दो बच्चों को 2500 रुपए प्रतिमाह दिए जाते है वहीं कुपोषित बच्चों को सुविधा मिलती है उन्होने कहा जो दंपति बच्चों को गोद लेना चाहते है या फिर पालन पोषण करना चाहते हैं वह संबंधित विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं वहीं खंड विकास अधिकारी महेवा बृज बिहारी त्रिपाठी ने सभी को विभागीय जानकारी के साथ किशोर

किशोरियों के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में हितकारी कार्यों को बढ़ावा देने सहित हर पात्र तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने का आवाहन किया वहीं सहायक विकास अधिकारी पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया ने मौजूद आंगनवाडियों से केंद्र पर शौचालय न होने की स्थिति में लिखित रूप से जानकारी देने तथा ऐसे परिवारों की जानकारी देने का आवाहन किया जो कुपोषित श्रेणी में हो वही

ब्लॉक बाल संरक्षण विशेषज्ञ राजेश दुबे ने सभी ग्रामों में हर माह बैठक कर पात्रों का चयन करने तथा जिन लोगों को लाभ मिल रहा है उनकी निगरानी करने का आवाहन किया वहीं बाल कल्याण पुलिस अधिकारी /महेवा चौकी प्रभारी रजनीश तिवारी ने महिला हेल्प लाइन 1090, 112,102,108,1076 आदि सेवाओं सहित बाल सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा की जानकारी दी ।

हरियाणा की नई औद्योगिक नीति से उद्योग जगत को मिलेगा नया प्रोत्साहन, एनटीआईसी ने जताया सरकार का आभार

लोकेश कुमार
गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा उद्योगों, एमएसएमई (एमएसएमई) एवं उद्यमियों को प्रोत्साहित करने तथा राज्य में निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई मेक इन हरियाणा इंडस्ट्री पॉलिसी का नेशनल ट्रेड एंड इंडस्ट्री काउंसिल (एनटीआईसी), नेशनल ह्यूमन वेल्फेयर काउंसिल की यूनिट ने स्वागत करते हुए हरियाणा सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। एनटीआईसी के अध्यक्ष गुंजन मेहता ने कहा कि सरकार द्वारा औद्योगिक विकास को गति देने, निवेश को आकर्षित करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा एमएसएमई इकाइयों को विभिन्न प्रोत्साहन और सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयास उद्योग जगत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। गुंजन मेहता ने कहा कि नीति बनाना पहला कदम है, लेकिन उसका लाभ प्रत्येक पात्र उद्यमी तक पहुंचाना उतना ही महत्वपूर्ण है। कई बार सरकारी योजनाओं और नीतियों में उपलब्ध प्रावधानों की पर्याप्त जानकारी न होने के कारण उद्योगपति उनका लाभ उठाने से



वंचित रह जाते हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए एनटीआईसी ने निर्णय लिया है कि वह स्थानीय औद्योगिक एसोसिएशनों के साथ मिलकर हरियाणा के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में विशेष औद्योगिक नीति जागरूकता एवं ज्ञान साझाकरण कार्यक्रम आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि उद्यमियों को मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी, एमएसएमई योजनाओं, निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन, सॉल्सिडी, वित्तीय सहायता और अन्य औद्योगिक सुविधाओं के बारे में जागरूक किया जाएगा। गुरुग्राम-मानेसर सहित प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में स्थानीय औद्योगिक एसोसिएशनों के सहयोग से चरणबद्ध तरीके से जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में संबंधित सरकारी विभागों के अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और

कीमती इंसानी जानें बचाने के लिए रक्तदान करना हमारे पूर्वजों को दी जाने वाली सबसे पवित्र श्रद्धांजलि : डॉ. मुकेश शर्मा

लोक हस्तक्षेप समाचार
गुरुग्राम। पितृ-पक्ष 2026 के दौरान रोटेरी ब्लड सेंटर द्वारा कई रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिनमें से पहला शिविर सैक्टर 44 स्थित एटीसी इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर में रोटेरी क्लब ऑफ गुडगांव साउथ सिटी के सहयोग से आयोजित किया गया। जिसमें 28 रक्तवीरों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिनमें से 23 लोग कीमती इंसानी जानें बचाने के लिए रोटेरी क्लब ऑफ गुडगांव साउथ सिटी के रोटेरियनों ने रक्तवीरों को नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रेरित करके शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया। उनका नेतृत्व अध्यक्ष ऋषि मुनि भारद्वाज और सत्यवती भारद्वाज ने किया। रोटेरी ब्लड, थैलेसीमिया और डायलिसिस सेंटर के अध्यक्ष डॉ. मुकेश शर्मा ने शिविर की अध्यक्षता की। उन्होंने एटीसी इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रबंधन को बधाई और धन्यवाद दिया तथा



इस शानदार रक्तदान शिविर के लिए रोटेरियन ऋषि मुनि भारद्वाज और उनकी टीम के ईमानदार प्रयासों की सराहना। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दान की गई रक्त की हर यूनिट का इस्तेमाल कीमती इंसानी जानें बचाने के लिए किया जाएगा, खासकर रोटेरी थैलेसीमिया सेंटर 167 थैलेसीमिया मरीजों के लिए, और यह सब स्वयं से ऊपर सेवा की सच्ची रोटेरी भावना के साथ किया जाएगा। उन्होंने यह भी

घोषणा की कि रोटेरी ब्लड सेंटर

गुरुग्राम द्वारा जारी रक्त की गुणवत्ता

को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाया गया

है। इसके लिए हर यूनिट की इन-

हाउस टेस्टिंग (न्यूक्लियर एसिड

एम्प्लीफिकेशन टेक्नोलॉजी

(एनएटी) का उपयोग करके की

जाती है, जिससे यह ऐसा करने वाला

भारत का पहला और एकमात्र

स्टैंडअलोन चैरिटेबल ब्लड सेंटर बन

गया है।

एनटीपीसी में हिंदी पखवारा के समापन पर बही शब्द, सुर और संवेदना की त्रिवेणी

काव्यधारा का भव्य आयोजन, देर रात तक गूंजती रही कविताएं

लोक हस्तक्षेप समाचार
ऊंचाहार (रायबरेली), मंगलवार की शाम एनटीपीसी के आवासीय परिसर स्थित आंबेडकर भवन एक ऐसे साहित्यिक आयोजन का साक्षी बना जिसकी गूंज और जीवंतता देर रात तक पूरे एनटीपीसी ने महसूस की । ये शब्द सुर और संवेदनाओं का ऐसा अनूठ संगम था कि एक एक पल ने हर किसी के दिल को स्पर्श किया। काव्यधारा के इस मंच पर जब बरिष्ठ रचनाकारों ने अपनी कलम का जादू बिखेरा तो वहां मौजूद हर एक प्रबुद्ध मन मंत्रमुग्ध हो उठ। विचारों के आगन प्रदान और कविताओं की महक ने इस शाम को हमेशा के लिए यादगार बना दिया ।

एनटीपीसी के मानव संसाधन विभाग के राजभागा प्रभाग द्वारा आयोजित इस अदभुत कार्यक्रम का आगान अतिथिगणों जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका , पुलिस अधीक्षक रवि कुमार और ऊंचाहार परियोजना के प्रमुख विश्व मोहन सिंह के स्वागत के साथ हुआ । इसके बाद

सरस्वती माता की वंदना हुई । जैसे ही मंच पर रोशनी पड़ी और वरिष्ठ रचनाकारों ने अपनी कलम का जादू बिखेरा, वहां मौजूद हर एक प्रबुद्ध मन मंत्रमुग्ध हो उठा। किसी ने माँ की ममता पर अश्रुपूरित कर दिया, तो किसी ने देशभक्ति की ज्वाला से ऑडिओरियम को गुंजायमान कर दिया। श्रृंगार, हास्य, वीर और करुणा सभी की धारा ऐसी बही कि तालियों की गड़गड़ाहट रमने का नाम नहीं ले रही थी।

कवि सम्मेलन में स्वयं श्रीवास्तव

लखनऊ ,गुरुवार, 01 अक्टूबर 2026

05

बाल विकास परियोजना महेवा में मिशन वात्सल्य की बैठक आयोजित



वातावरण उपलब्ध कराने को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

उक्त कार्यक्रम मे खण्ड विकास अधिकारी महेवा बृज बिहारी त्रिपाठी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया, बाल संरक्षण अधिकारी अधिकारी रजनीश तिवारी ने महिला हेल्प लाइन 1090, 112,102,108,1076 आदि सेवाओं सहित बाल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य तथा बच्चों को सुरक्षित

सहकार भारती के जिला महामंत्री ने उठाया सहकारी बैंकों की बदहाली का मुद्दा

लोक हस्तक्षेप समाचार
गुरुग्राम। सहकार भारती के जिला महामंत्री राजपाल शर्मा ने हरियाणा में सहकारिता आंदोलन और केंद्रीय सहकारी बैंकों की मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा कि एक सब के लिए, सब एक के लिए के मूल ध्येय पर चलने वाला सहकारिता आंदोलन आज लचर कार्यप्रणाली और प्रशासनिक उदासीनता के कारण ताश के पत्तों की तरह ढहने की कगार पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के केंद्रीय सहकारी बैंकों और प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पेक्स) के बही-खातों में भारी असंतुलन और फर्जी ऑकड़ें चल रहे हैं। समितियों द्वारा बैंकों की अग्रिम राशि से इनकार करने से वसूली का संकट गहरा गया है। गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) को छिपाने के लिए फर्जी कागजी आय दिखाई जा रही है, जो आरबीआई और नाबाई के नियमों के खिलाफ है। इसके अलावा, लावारिस पड़े खातों की राशि को डिपॉजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड में जमा न करने और कर्मचारियों की देनदारियों की अनदेखी पर भी सवाल उठाए गए हैं। राजपाल शर्मा ने कहा कि सहकारिता विभाग की निरीक्षण रिपोर्टों को महज दराजों में बंद रखा जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इन बैंकों के खातों का स्वतंत्र फॉरेंसिक ऑडिट करकर राशि से इनकार करने सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो किसानों, छोटे दुकानदारों और आम जनता की गाढ़ी कमाई खतरे में पड़ जाएगी।

विधायक मुकेश शर्मा ने समाजसेवी रविन्द्र जैन को पगड़ी पहनाकर किया सम्मानित

लोक हस्तक्षेप समाचार
गुरुग्राम। सेक्टर-14 में आयोजित डिटी मेयर के सम्मान समारोह के दौरान क्षेत्र के विधायक मुकेश शर्मा ने जाने-माने समाजसेवी वरिष्ठ अधिवक्ता रविन्द्र जैन को अपने हाथों से पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विधायक ने रविंद्र जैन द्वारा समाजहित में किए जा रहे अनूठे और रचनात्मक कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। समारोह के दौरान विशेष रूप से रविन्द्र जैन द्वारा शहर के प्रमुख लेजर वैली पार्क (में करवाए गए विकास व सुधार कार्यों तथा अहिंसा स्थल के निर्माण जैसे सराहनीय कार्यों को रेखांकित किया गया। विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मकता, शांति और भाईचारे का एक मजबूत संदेश भी देते हैं। उन्होंने कहा कि समाजसेवियों का यह योगदान प्रशंसन और जनता के बीच की खाई को पाटकर शहर को आदर्श बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस विशेष सम्मान के विनोद पर समारोह में उपस्थित स्थानीय गणमान्य लोगों, पार्टी कार्यकर्ताओं और शहर के प्रबुद्ध नागरिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ रविन्द्र जैन का अभिनंदन किया और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पूरा प्रांगण सामाजिक सौहार्द और उत्साह से ओत-प्रोत नजर आया।

47वाँ भव्य रामलीला एवं विजयदशमी उत्सव की तैयारियां शुरु

लोक हस्तक्षेप समाचार
गुरुग्राम। न्यू आदर्श रामलीला क्लब अर्जुन नगर द्वारा 47वें रामलीला एवं विजयदशमी संगीतमाय उत्सव का आयोजन महामण्डलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज के आशीर्वाद एवं चूड़मणि गोस्वामी विशाल वैद्य के सानिध्य में अर्जुन नगर स्थित आर्य समाज के सामने पार्क में किया जाएगा। संस्था के प्रधान गंगाधर खत्री, चेयरमैन महावीर नासा, महासचिव यशपाल ग्रोवर ने बताया कि 8 अक्टूबर को माँ भगवती की चौकी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ज्योति प्रखण्ड धर्मरायण गोपाल गाबा अपने परिवार सहित शामिल होंगे। यह प्रस्तुति जयप्रकाश फरियादी एवं पार्टी द्वारा दी जाएगी। 9 अक्टूबर को रामलीला का शुभारंभ एवं उद्घाटन समारोह होगा। 20 अक्टूबर को मदनपुरी रोड पी.डब्ल्यू.डी. ऑफिस के सामने में विजयदशमी उत्सव मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी मोहित मदन लाल ग्रोवर और साहिल ग्रोवर होंगे। 21 अक्टूबर को भरतमिलाप और श्री रामराज्याभिषेक के साथ वर्ष 2026 के इन पावन कार्यक्रमों का समापन होगा। उन्होंने बताया कि बच्चों की कला और प्रतिभा को निखारने के लिए विशेष आयोजनों की भी रूपरेखा तैयार की गई है। 18 अक्टूबर को रामायण चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसका आयोजन प्रताप नगर स्थित डेावल भवन में प्रातः 11 बजे किया जाएगा।

पर्यटन सम्मेलन में 2047 तक विकसित भारत बनाने पर हुई चर्चा : अरविंद शर्मा

नई दिल्ली एजेंसी। नई दिल्ली में बुधवार को एसोचैम राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, हरियाणा के पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा और इनमोबी की चीफ कॉर्पोरेट ऑफेयर्स और पब्लिक पॉलिसी ऑफिसर सुनी चतुर्वेदी शामिल हुईं। हरियाणा के पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा "कॉन्क्लेव टूरिज्म से जुड़ा था। इस कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि के तौर पर आए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को कैबिनेट बैठक के कारण जाना पड़ा। मेरा मानना ​​? है कि ऐसे कॉन्क्लेव से बहुत अच्छे नतीजे मिलेंगे। निर्मल मिंडा समेत अन्य सदस्यों ने कई विषयों पर चर्चा की। ग्रामीण पर्यटन, एनसीआर में संभावना, डिजिटल टूरिज्म पर चर्चा हुई। इसी तरह 'विकसित भारत' यानी 2047 तक विकसित भारत बनाने पर चर्चा हुई। अर्थव्यवस्था की वृद्धि में पर्यटन का बहुत योगदान रहता है। गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि अर्थव्यवस्था में पर्यटन की 12 फीसदी हिस्सेदारी है।

विद्या बालन,आर. बाल्की के साथ फिर कर रही हैं वापसी, नई तमिल फिल्म की शूटिंग शुरू



विद्या बालन एक बार फिर फिल्ममेकर आर. बाल्की के साथ काम करने जा रही हैं। दोनों एक नई तमिल फिल्म के लिए साथ आए हैं और फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। गौरतलब है कि वर्ष 2009 में रिलीज हुई फिल्म पा के बाद यह विद्या बालन और

आर. बाल्की की पहली तमिल फिल्म होगी।

अपने सोशल मीडिया के जरिये अपने दर्शकों से इसकी जानकारी साझा करने के उद्देश्य से विद्या बालन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह हाथ में स्क्रिप्ट लिए कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं। चश्मा लगाए और लंबी चौटी में उनका लुक काफी सिंपल दिखाई दे रहा है।

तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा है, आर. बाल्की के साथ नई तमिल फिल्म, नई शुरूआत। इसके साथ दिल का इमोजी लगाकर उन्होंने अपनी बात खत्म की है लेकिन उनकी इस पोस्ट से साफ है कि उन्होंने अपनी नई तमिल फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। हालांकि विद्या ने अभी फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की है, लेकिन इतना तय है कि आर. बाल्की के साथ उनका दोबारा काम करना जरूर खास है। इससे पहले दोनों ने पा

में साथ काम किया था, जो 2009 में रिलीज हुई थी, जो वर्कफ्रंट की बात करें तो



उर्वशी रौतेला की तस्वीरों और वीडियो के इस्तेमाल पर बवाल

टीम की 7,000 करोड़ रुपए हर्जाना मांगने की 'तैयारी'

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने जहां कंटेंट बनाने और एंटरटेनमेंट की दुनिया को काफी आसान बनाया है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल को लेकर लगातार सवाल भी उठ रहे हैं। खासकर सेलिब्रिटीज की तस्वीरों, वीडियो और आवाज को बिना अनुमति इस्तेमाल किए जाने के मामले अब चर्चा में आने लगे हैं।

इसी कड़ी में एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की टीम ने लॉस एंजिल्स की एक एआई कंपनी पर उनकी पहचान और कंटेंट का कथित तौर पर बिना अनुमति इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

उर्वशी की टीम का कहना है कि कंपनी ने एक्ट्रेस के नाम, तस्वीरों

और वीडियो का इस्तेमाल किया और अब इस मामले में कानूनी रास्ता अपनाया जा रहा है। मामले में हर्जाने की रकम का आकलन फिलहाल 7,000 करोड़ किया जा रहा है। हालांकि, कंपनी का नाम सार्वजनिक बयान में नहीं बताया गया है।

उर्वशी की टीम ने आईएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव बयान में कहा, '‘उनके बिजनेस ने कथित तौर पर उर्वशी के नाम, तस्वीरों और वीडियो का बिना अनुमति इस्तेमाल करके अरबों डॉलर की वैल्यू हासिल की है। हम उचित कानूनी तरीका अपना रहे हैं, जिसमें लॉस एंजिल्स स्थित कंपनी के खिलाफ 7,000 करोड़ रुपए के हर्जाने का आकलन भी शामिल है। अपनी एआई कंपनी बनाइए, अपना ब्रांड बनाइए, लेकिन जब तक आपके पास अनुमति न हो, अपने बिजनेस में उर्वशी के नाम का इस्तेमाल न करें।’'

उर्वशी का यह मामला ऐसे वक्त में

सामने आया है, जब फिल्म और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एआई से बने फेक वीडियो, आवाज की नकल और डीपफेक कंटेंट को लेकर चिंता बढ़ रही है। हाल ही में सलमान खान ने भी 'बिग बॉस 20 ' के एक एपिसोड में एआई के गलत इस्तेमाल पर बात की थी।

उन्होंने बताया कि एआई की मदद से लोगों की आवाज और वीडियो को इस तरह बदला जा सकता है कि ऐसा लगे जैसे उन्होंने वास्तव में कुछ कहा या किया है, जबकि वह असल में हुआ ही नहीं।

सलमान ने कहा था, '‘किसी ने आपकी एआई वॉयस लेकर डब करके किसी को गाली बक दी। आप जानते हैं वे क्या कर रहे हैं? एआई वीडियो बना रहे हैं। बहुत सारे लोगों के। और मैं भी एआई वीडियो में हूं।’'

उन्होंने एआई की तेजी से बढ़ती क्षमता को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि यह काफी गंभीर मामला है।

रवि किशन की अगली फिल्म में दिखेगा आस्था का अनोखा रंग, इमोशन और कॉमेडी से भरपूर होगी कहानी

एक्टर और नेता रवि किशन ने भोजपुरी सिनेमा से लेकर हिंदी फिल्मों और वेब शोज तक, अपने काम से एक अलग पहचान बनाई है। अब रवि किशन एक ऐसी फिल्म में लीड रोल निभाने जा रहे हैं, जिसकी कहानी आस्था और इंसान के रिश्ते को एक अलग नजरिए से दिखाएगी। फिल्म में उनका किरदार भगवान को सिर्फ भक्त नहीं, बल्कि उन्हें अपना सबसे करीबी दोस्त मानता है। इस अनोखे रिश्ते के साथ कहानी में इमोशन, ह्यूमर और ड्रामा भी देखने को मिलेगा। महावीर जैन फिल्मस की ओर से प्रस्तुत की जाने वाली इस अनटाइटल्ड फिल्म में रवि किशन लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी पूरी तरह उनके किरदार के इर्द-गिर्द घुमेगी।

बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में रवि किशन का एक ऐसा अंदाज देखने को मिलेगा, जो उनके अब तक के कई किरदारों से काफी अलग होगा। मेकर्स फिल्म को भक्ति ड्रामा की तरह बनाने के बजाय इसे मनोरंजक तरीके से दर्शकों के सामने लाने की तैयारी में

हैं।

फिल्म में आस्था, इमोशन और कॉमेडी से भरपूर कहानी होगी।

फिल्म की कहानी एक ऐसे शख्स पर आधारित है, जो भगवान को अपना सबसे करीबी दोस्त मानता है और उनके साथ लगभग निजी रिश्ता महसूस करता है।

कहानी इसी भावनात्मक जुड़ाव को केंद्र में रखकर आगे बढ़ेगी। फिल्म में यह दिखाने की कोशिश होगी कि किसी इंसान की आस्था सिर्फ पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसका भगवान के साथ रिश्ता दोस्ती और भरोसे का भी हो सकता है।

इस कहानी को अमिता अर्यन ने लिखा है और वही फिल्म का निर्देशन भी कर रहे हैं। फिल्म को महावीर जैन फिल्मस प्रस्तुत कर रहा है। रवि किशन के लिए महावीर जैन के साथ यह दूसरा प्रोजेक्ट होगा। इससे पहले दोनों कार्तिक अर्यन स्टार फिल्म 'नागजिला' के लिए साथ आए थे। वहीं फिल्म को मृगदीप सिंह लांबा, विनायक कुमार, कविन शाह और शिखा के. अहलूवालिया प्रोड्यूस करेंगे।



बिग बॉस 20 में नॉमिनेट हुई आम्रपाली-रीति, सपोर्ट में उतरीं अक्षरा सिंह बोलीं-वोट करो

'बिग बॉस 20' के लेटेस्ट एपिसोड में हुए नॉमिनेशन टास्क के दौरान रीति तिवारी और आम्रपाली दुबे नॉमिनेट हो गईं। इस मुश्किल की घड़ी में भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह दोनों के सपोर्ट में आगे आई हैं। उन्होंने दोनों कंटेस्टेंट को बचाने के लिए फैस से वोट देने की अपील की। अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर आम्रपाली दुबे और मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी के सपोर्ट में एक खास पोस्ट की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर पुरानी मित्र और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि बिग बॉस कंटेस्टेंट आम्रपाली दुबे अच्छ गेम खेल रही हैं और उन्हें बचाने के लिए

सभी वोट दें। अक्षरा ने आम्रपाली के लिए लिखा, 'वो नॉमिनेशन में है और अब हमारी बारी है, उनके लिए प्यार जताने की। आम्रपाली अपना गेम अच्छा खेल रही हैं, अकेले डटी हुई हैं और अपनी अलग पहचान बना रही हैं। तो चलो गाइस, उन्हें वोट करके सपोर्ट जरूर करें। '

अभिनेत्री ने आम्रपाली पर गर्व जताते हुए लिखा, 'भोजपुरी इंडस्ट्री से किसी भी सितारे को बड़े प्लेटफॉर्म पर चमकते देखना हमेशा ही

खास लगता है। चलो दिखा दें भोजपुरी ऑडियंस की ताकत और प्यार। हर एक वोट कीमती है, चलो उसे उनके लिए गिनवाते हैं। '

इसके साथ ही, अक्षरा सिंह मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी के सपोर्ट में भी उतरी हैं। उन्होंने जनता से रीति को भी सपोर्ट करने कि अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर रीति तिवारी की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'गलतियां सभी इंसान से

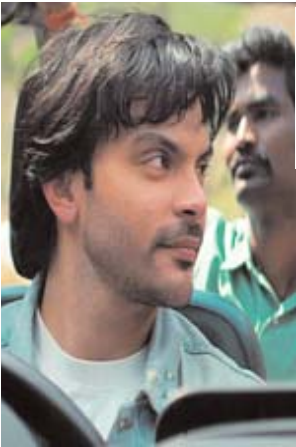


होती हैं, वो गिरता है, सीखता है और फिर उठता है। बिग बॉस का सफर भी यही है, कभी बैलेंस बिगड़ना, फिर खुद को संभालना और हर अनुभव के साथ आगे

बढ़ना। ' अभिनेत्री ने कहा कि रीति तिवारी अभी युवा है और उसे कई मौकों की जरूरत है। अक्षरा सिंह ने लिखा, 'रीति तिवारी को गेम के कुछ पलों से उसकी पूरी जर्नी को जज मत किया जाए। प्लीज उसे सपोर्ट करो, नॉमिनेशन से बचाओ और रीति तिवारी के लिए वोट करो। उस लड़की को सीखने, बढ़ने और चमकने दो। '

‘कट’ बोलते ही नॉर्मल हो जाती हूं, इमोशन को साथ नहीं रखती: परिणीति चोपड़ा

। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों वेब सीरीज ‘शक: टूस्ट नो वन’ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री का कहना है कि वह अपने द्वारा निभाए गए किरदारों के प्रभावों को निजी जिंदगी पर हावी नहीं होने देती हैं। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उनके अंदर का एक्टर बहुत आसानी से ऑन और ऑफ हो जाता है। अभिनेत्री ने बताया, ‘‘कट’ शब्द सुनते ही मैं बिल्कुल नॉर्मल हो जाती हूं। सच कहूं, तो मैं एक सेकंड के लिए भी किसी इमोशन को अपने साथ लेकर नहीं चलती हूं। हालांकि, इस पर लोग मेरा मजाक भी बनाते हैं कि अभी तक मैं रो रही थी, चीख रही थी और जैसे ही ‘कट’ बोला गया, मैं नॉर्मल हो गई, हंसने लगी। कई बार ऐसा हुआ है कि लोग मुझे मेरी ही नकल करके दिखाते और पूछते हैं कि ‘तुम ये कैसे कर लेती हो?’ मुझे नहीं पता, क्योंकि मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करती।’ अभिनेत्री का कहना है कि वे एक्टिंग करने के दौरान अपने किरदार में इतनी लीन हो जाती हैं कि वह उसी तरह एक्ट करती हैं और जैसे ही कट होता है, वह नॉर्मल हो जाती हैं। उन्होंने कहा, ‘एक्टिंग के दौरान भले ही मैं कितना भी महसूस करूं, लेकिन मेरे आंसू असली होते हैं, इमोशन और फिजिकल मेहनत असली होती है और जैसे ही ‘कट’ बोला जाता है, मैं सोचती हूं ‘ओह, कट हो गया। अब मेरा कोई काम नहीं है।’ तो मैं सच में स्विच ऑफ हो जाती हूं। भगवान का शुक्र है कि ऐसा है, क्योंकि मैं बहुत थक जाती। आजकल मैं कई भारी-भरकम किरदार निभा रही हूं। अगर उन किरदारों का हैंगओवर मुझ पर रहता, तो मैं एक कलाकार के तौर पर और एक इंसान के तौर पर भी थक जाती और मैं यह एक काम सिर्फ इसलिए नहीं कर सकती क्योंकि मैं किसी फिल्म या शो में कोई रोल कर रही हूं।’ उन्होंने आगे कहा, ‘मैं उस इमोशन को अपने पूरे दिन नहीं रख सकती और सारा समय बर्बाद नहीं कर सकती। उस सेट के बाहर भी मेरी एक जिंदगी है और मुझे उसे भी जीना है। मैं ऐसा नहीं कह सकती कि आज मैंने एक इमोशनल सीन किया, तो मुझे बर्थडे पार्टी



वीर पहाड़िया ने ‘प्रेम कीटाणु’ के दर्दभरे गीत ‘तुझसे बिछड़ के’ में दिखाया अपना इमोशनल अंदाज़

अपनी आगामी फिल्म ‘प्रेम कीटाणु’ में वीर पहाड़िया अब अपने किरदार का एक और भावनात्मक पहलू दर्शकों के सामने लाने के लिए तैयार हैं। फिल्म का नया हार्टब्रेक ट्रैक ‘तुझसे बिछड़ के’ रिलीज हो गया है, जिसमें जुदाई का दर्द, टूटे रिश्तों की कसक और भावनात्मक उथल-पुथल को खूबसूरती से दर्शाया गया है। वीर पहाड़िया और आफिया सैयद पर फिल्माए गए इस गीत में प्यार, तड़प और बिछड़ने के दर्द को दिखाया गया है। यह गाना दर्शकों को वीर के किरदार की इमोशनल जर्नी को झलक दे रहा है और कहानी में मौजूद रिश्तों की जटिलताओं को सामने ला रहा है। ‘प्रेम कीटाणु’ जहां युवा प्रेम, दोस्ती, रिश्तों और कॉलेज लाइफ की कहानी लेकर आ रही है, वहीं ‘तुझसे बिछड़ के’ फिल्म के इमोशनल पार्ट को और गहराई दे रहा है। इस गीत को मधुर शर्मा ने अपनी आवाज़ दी है, जबकि इसका संगीत राहुल मिश्रा ने तैयार किया है। गीत के बोल मीर ने लिखे हैं। फिल्म के ट्रैलर में भी इस गाने की झलक देखने को मिली थी और यह कहानी के इमोशनल हिस्से को मजबूती से उभार रहा है।

बिग बॉस 20 से बाहर आते ही इमोशनल हुई ईशा रिखी

फैंस से बोलीं-इमोशनल ब्रेकडाउन हुए

अभिनेत्री ईशा रिखी ‘बिग बॉस -20’ के घर से बाहर आ गई हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को अपने फैंस और सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने घर के अंदर बिताए अपने समय को याद किया और बताया कि यह सफर कई तरह के इमोशन से भरा रहा, जिसमें कई बार उन्हें अपनी भावनाएं व्यक्त करने में भी दिक्कत हुई। ईशा रिखी ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस मुश्किल और चुनौती भरे सफर में उनका साथ

दिया। अभिनेत्री ने लिखा, ‘बिग बॉस के घर में तीन हफ्ते, इतने सारे इमोशन्स, अनुभव, चुनैतियां, हंसी, आंसूओं और यादों से भरे हफ्ते, जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगी।’ अभिनेत्री ने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, ‘वापस आकर मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है। उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मेरा साथ दिया, मुझ पर भरोसा किया, मेरे लिए तारिल्यां बजाई और उन लोगों का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे सपोर्ट नहीं किया।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, ‘मैं हर राय, मैसेज और इंसान की आभारी हूं जो किसी भी तरह से इस सफर का हिस्सा बना। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे, मेरे इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, ऐसे पल आए जब मैं खुद को ठीक से एक्सप्रेस नहीं कर पाई और ऐसे पल भी आए, जहां मैं वैसी नहीं दिख पाई जैसी मैं दिखना चाहती थी। मुझे पता है कि मैंने आप में से कुछ लोगों को निराश किया होगा और अगर ऐसा हुआ है, तो मैं दिल से माफी मांगती हूं।

ईशा रिखी का कहना है कि बिग बॉस के कई सारे अनुभवों को एक सीख के तौर पर लिया है। अभिनेत्री ने लिखा, ‘मैं अभी भी सब कुछ समझने की कोशिश कर रही हूं, खुद को बेहतर समझ रही हूं और इस पूरे अनुभव को एक सीख के तौर पर ले रही हूं।एक बात जो मैं आप सभी को बताना चाहती हूं, वो ये है कि मैंने आपका प्यार महसूस किया, तब भी जब मैं खुद ज्यादा कुछ कह नहीं पाई और मेरे लिए इसका मतलब शब्दों से कहीं ज्यादा है।मेरे साथ खड़े रहने के लिए, मुझे समझने के लिए और मुझे लगातार सपोर्ट करने के लिए शुक्रिया। मैं दिल से आप सभी की आभारी हूं। ’



‘फोर्स’ के 15 साल पूरे होने पर इमोशनल हुए जॉन अब्राहम,

अभिनेता जॉन अब्राहम की एक्शन-ड्रामा फिल्म ‘फोर्स’ ने बुधवार को अपनी रिलीज के 15 साल पूरे किए ।इस अवसर पर अभिनेता ने फिल्म के निर्देशक निशिकांत कामत को याद किया ।इसके साथ ही फिल्म से जुड़ी यादों को फिर से दोहराया ।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्ममेकर निशिकांत कामत के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि फिल्ममेकर की वजह से ही उन्हें अच्छा अभिनय करने का मौका मिला ।अभिनेता ने लिखा, ‘फिल्म ‘फोर्स’ ने अपनी रिलीज के 15 साल पूरे कर लिए हैं ।हमने एक ऐसी एक्शन फिल्म बनाने की कोशिश की थी, जिसमें इमोशन के साथ-साथ एक्शन भी दमदार था ।’ भिनेता का कहना है कि फिल्म ‘फोर्स’ निशिकांत कामत के बिना बनना नामुमकिन था ।उन्होंने लिखा, ‘फोर्स निशी (निशिकांत कामत) के बिना नहीं बन पाती ।उन्होंने मुझे पुरा किया, मुझ पर भरोसा किया और फिल्म को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।काश वो आज यहां होते और देखते कि ये सफर कहां तक पहुंचा है ।मिस यू निशी ।उम्मीद है आप मुझ पर गर्व महसूस कर रहे होंगे ।’ल 2011 में रिलीज हुई एक्शन-थ्रिलर फिल्म ‘फोर्स’ में जॉन अब्राहम के साथ जनेलिया डिसूजा और विद्युत जामवाल (विद्युत की पहली बॉलीवुड फिल्म) जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे ।अन्य कलाकारों में मोहनीश बहल, राज बब्बर और मुकेश ऋषि ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं ।यह फिल्म गीतम मेनन की 2003 में आई तमिल सुपरहिट फिल्म ‘काखा काखा’ की रीमेक थी ।इसमें जॉन अब्राहम ने एसीपी यशवर्धन नाम के एक सख्त और निडर नारकोटिक्स अधिकारी की भूमिका निभाई थी, जो ड्रग कार्टेल को खत्म करने के लिए किसी भी हद तक जाता है ।फिल्म में एक्शन के साथ-साथ यशवर्धन और माया (जनेलिया डिसूजा) की रोमांटिक प्रेम कहानी भी दिखाई गई थी ।



भारत की पुरुष और महिला स्वचैश टीम ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट, पक्के हुए दो और मेडल

नागोया एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की पुरुष और महिला स्वचैश टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही भारत के लिए इस खेल में दो मेडल पक्के हो गए हैं। शीर्ष वरीयता हासिल करने वाली और मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने नागोया किंजो फुतो एरिना में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कुवैत को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके बाद भारतीय महिला टीम ने भी सिंगापुर के खिलाफ 2-0 की आसान जीत दर्ज की। इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत की दोनों टीमों अंतिम चार में पहुंच गईं और गोल्ड मेडल की दौड़ में बनी हुई हैं। भारत के पुरुष टीम के अभियान की शुरुआत पूल ए में चीन पर 3-0 की दमदार जीत के साथ हुई, जिसमें सूरज कुमार चंद, वीर छोटारानी और वेलवन सेंथिलकुमार ने अपने-अपने मैच जीते। कुवैत के खिलाफ, शुरुआती मुकाबले में छोटारानी को बदर अलमोगरेबी से कड़ी चुनौती मिली। दूसरा गेम हारने के बाद भारतीय खिलाड़ी ने वापसी की और 34 मिनट में 12-10, 8-11, 11-0, 11-5 से जीत हासिल की।

इसके बाद अभय सिंह कोर्ट पर उतरे। भारत सेमीफाइनल से बस एक जीत दूर था और उन्होंने



अम्मार अलतामिमी के खिलाफ शानदार खेल दिखाया। देश के खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी ने 11-3, 11-4, 11-8 से जीत दर्ज की और निर्णायक मुकाबले की जरूरत के बिना ही टाई अपने नाम कर ली।

अभय नागोया में भारत के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। वह पुरुष सिंगल्स के फाइनल में पहुंचे थे और सेमीफाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को हराकर सिल्वर मेडल जीता था। इससे पहले दिन में, भारतीय महिला टीम ने

क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर को 2-0 से हराकर आगे का सफर तय किया।

तन्वी खन्ना ने शुरुआती सिंगल्स मैच में औ येओंग वाई लिन के खिलाफ भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। मुकाबला पहले तीन गेम तक बराबरी का रहा, लेकिन चौथे गेम में तन्वी ने बढ़त बनाते हुए 32 मिनट में 11-6, 4-11, 15-13, 11-1 से जीत हासिल की। इसके बाद अनाहत सिंह ने दूसरे मैच में भारत के लिए जीत पक्की की और टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया। इन नतीजों से स्वचैश में भारत के शानदार प्रदर्शन से दो और मेडल पक्के हो गए हैं। इस खेल में भारत के मेडल टैली में अभय सिंह (पुरुष सिंगल्स) और अनाहत सिंह (महिला सिंगल्स) के सिल्वर मेडल शामिल हैं, जबकि जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार ने मिलकर मिक्स्ट डबल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

दोनों टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही भारत ने आइची-नागोया में स्वचैश इवेंट में अपनी मजबूत स्थिति बना ली है। पुरुष टीम, जो पिछली बार की चैंपियन है, एक और फाइनल में पहुंचने की राह पर है, जबकि महिला टीम भी अब अपनी पक्की पोजिशन फिनिश को गोल्ड-मेडल मैच में बदलने की कोशिश करेगी।

सुनील कुमार ने ग्रीको-रोमन रেসलिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा

नागोया एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को सुनील कुमार ने पुरुषों के 87 किलोग्राम ग्रीको-रोमन रেসलिंग इवेंट में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स के खिलाफ ‘टेक्निकल सुपीरियरिटी’ के आधार पर 9-0 से जीत हासिल की। इसी के साथ सुनील ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया। सुनील ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करते हुए रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज कराया लिया है। 27 वर्षीय सुनील एशियन गेम्स में दो ग्रीको-रोमन रেসलिंग मेडल जीतने वाले पहले भारतीय रেসलर बन गए हैं। हांगझोऊ 2022 में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद पोजिशन पर वापसी करते हुए, सुनील को नागोया सिटी इनाप स्पोर्ट्स सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर



पकड़ बना ली और शुरुआती दांव-पेच में रॉबर्ट्स को दो बार पटखनी देकर चार प्वाइंट्स हासिल किए। इसके बाद प्रतिद्वंद्वी की निष्क्रियता (पैसिविटी) के कारण उन्हें एक सुनील को नागोया सिटी इनाप स्पोर्ट्स सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर

जॉन कैंपबेल ने रचा इतिहास, वेस्टइंडीज की तरफ से भारत के खिलाफ लगाया सबसे तेज वनडे शतक



गुवाहाटी एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा वनडे मुकाबला गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट

स्टेडियम में खेला जा रहा है। कैरेबियाई टीम के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल ने तुफानी शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। जॉन कैंपबेल वनडे क्रिकेट में भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कैंपबेल ने दूसरे वनडे में सिर्फ 65 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। कैंपबेल ने 27 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। यह रिकॉर्ड उनसे पहले रिकार्डों पॉवेल के नाम था, जिन्होंने साल 1999 में भारत के खिलाफ खेले हुए 72 गेंदों में शतक लगाया था। कैंपबेल ने वेस्टइंडीज की तरफ से वनडे फॉर्मेट में पांचवां सबसे तेज शतक लगाया। 50 ओवर के फॉर्मेट में वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम दर्ज है, जिन्होंने 1999 में बांग्लादेश के खिलाफ 45 गेंदों में शतक लगाया था। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कीसी कार्टी 10 गेंदों में 9 रन बनाने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद कप्तान शाई होप और जॉन कैंपबेल ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए 79 गेंदों में 110 रनों की शानदार साझेदारी निभाई। कैंपबेल 68 गेंदों में 101 रन बनाकर आउट

हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 148 के स्ट्राइक रेट से खेले हुए 9 चौके और 5 छक्के लगाए। कैंपबेल को गुरनूर बरार ने पवेलियन भेजा।

वेस्टइंडीज की टीम ने पहले वनडे में मिली हार के बाद अपनी प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव किए हैं। वहीं, भारतीय टीम भी एक बदलाव के साथ मैदान पर उतरी है। नीतीश कुमार रेड्डी की जगह पर तेज गेंदबाज आकिब नबी अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे हैं। पहले वनडे में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था और गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी।

भारत की प्लेइंग इलेवन:रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, रवींद्र जडेजा, आकिब नबी, गुरनूर बरार, कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा।

वेस्टइंडीज की प्लेइंग इलेवन: जॉन कैंपबेल, कीसी कार्टी, शाई होप (विकेटकीपर/कप्तान), अमीर जांगू, शेफेन रदरफोर्ड, रोस्टन चेज, कीमो पॉल, अलजारी जोसेफ, शमर जोसेफ, जेडेन सील्स और विटेल लॉज।

कपिल पोखरिया को करना पड़ा ब्रॉन्ज मेडल से संतोष, सेमीफाइनल में मिली हार



निशियो एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष मुक्केबाज कपिल पोखरिया को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा है। कपिल को 90 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान के तुर्बेक खबीबुल्लाव के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मुकाबले में कपिल तुर्बेक के सामने संघर्ष करते नजर आए और फाइनल में जगह बनाने का उनका सपना साकार नहीं हो सका।

हालांकि, वह अपने एशियन गेम्स डेब्यू में ही ब्रॉन्ज मेडल जीतने में जरूर सफल रहे। तुर्बेक ने शुरुआत से ही मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और पहले राउंड को 5-0 से जीता। इसके बाद दूसरे राउंड में भी उज्बेकिस्तान के मुक्केबाज का दबदबा देखने को मिला और वह राउंड को 4-1 से अपने नाम करने में सफल रहे। कपिल ने वापसी करने का प्रयास किया, लेकिन तुर्बेक ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए और मुकाबले को आसानी से अपने

नाम करते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। इससे पहले, भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलोग्राम वर्ग में कजाकिस्तान की मुक्केबाज नताल्या बोगदानोवो को 3-2 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई।

इस जीत के साथ ही लवलीना ने एशियन गेम्स 2026 में कम से कम अपना सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। लवलीना लगातार दो एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं। सेमीफाइनल में शुरुआती राउंड में लवलीना अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से दूर नजर आईं और उन्हें 2-3 के अंतर से हार झेलनी पड़ी।

हालांकि, इसके बाद उन्होंने अपनी रणनीति बदली और मुकाबले पर पकड़ बनानी शुरू की। भारतीय स्टार मुक्केबाज ने दूसरा और तीसरा दोनों राउंड अपने नाम करते हुए मैच का रुख पलट दिया। उनके सटीक और आक्रामक पंचों ने कजाकिस्तान की प्रतिद्वंद्वी को लगातार दबाव में रखा।

दूसरे राउंड में सभी पांच जजों ने लवलीना को 10-10 अंक दिए। वहीं, तीसरे राउंड में दो जजों ने उन्हें 10 अंक और तीन जजों ने 9 अंक दिए, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हो गई।हालांकि, भारतीय मुक्केबाज प्रिया घंघस को सेमीफाइनल में हार के बाद ब्रॉन्ज मेडल के साथ भारत लौटना होगा। उन्हें चीन की यांग चेंग्यू के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले के दौरान प्रिया अपनी लय हासिल नहीं कर सकीं और चीनी खिलाड़ी के सटीक हमलों का प्रभावी जवाब देने में नाकाम रहीं।

दूसरे वनडे में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी, आकिब नबी का डेब्यू

गुवाहाटी एजेंसी। भारत

और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज का दूसरा वनडे मुकाबला गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारत की तरफ से इस मुकाबले में आकिब नबी अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे हैं। टॉस जीतने के बाद कप्तान गिल ने कहा, ‘हम पहले गेंदबाजी करेंगे। पिच पर थोड़ी ज्यादा घास है और यह थोड़ी पैची (कहीं-कहीं घास वाली) लग रही है। पिछले मैच में हमने जिस तरह से वापसी की, वह बहुत अच्छा था। यहां उमस अधिक है, इसलिए हमारे गेंदबाजों के लिए चुनौती भी ज्यादा होगी। सभी अच्छे फॉर्म में दिख रहे हैं। हमारी टीम में एक बदलाव है। नीतीश की जगह आकिब नबी डेब्यू कर रहे हैं।’ पहले वनडे में मिली हार के बाद वेस्टइंडीज ने अपनी प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव किए हैं। टॉस गंवाने के



बाद वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने कहा, ‘हम भी टॉस जीतने पर फील्डिंग ही चुनेंगे। टॉस 50-50 है, लेकिन हमारे पास अच्छा करने का एक और मौका है। कुछ ऐसी चीजें हैं जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। पिच काफी अच्छी लग रही है। हमारी टीम में चार बदलाव हैं। ‘पहले वनडे में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा था। बल्लेबाजी में विराट कोहली बेहतरीन लय में दिखाई दिए थे और उन्होंने 88 गेंदों में 139 रनों की लाजवाब पारी खेली थी। अपनी इस पारी में कोहली ने 10 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के लगाए थे।

वहीं, कप्तान शुभमन गिल ने भी शतकीय पारी खेली थी। रोहित शर्मा बड़ी पारी खेलने से चूक गए थे, लेकिन वह अच्छी लय में दिखाई दिए थे। वहीं, गेंदबाजी में कुलदीप यादव की घूमती गेंदों का जादू खूब चला था। कुलदीप ने 40 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट अपने नाम किए थे।

दूसरी ओर, वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों का प्रदर्शन पहले वनडे में अच्छा रहा था। जस्टिन ग्रीव्स ने शतकीय पारी खेली थी। हालांकि, इंजरी के चलते वह इस मुकाबले में टीम का हिस्सा नहीं हैं।

भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने जीता गोल्ड, फाइनल में चीनी तीरंदाजों को हराया



ओकाजाकी एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारतीय दल का आर्चरी में स्वर्णिम सफर जारी है। भारतीय आर्चरी टीम ने तीसरा गोल्ड जीत लिया है। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिारत्नम थिरुमु कुली भारतीय पुरुषों की कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में चीन को हराकर गोल्ड मेडल जीता। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिारत्नम थिरुमु की तिकड़ी ने एक रोमांचक फाइनल में चीन के जियाओ लियाओ, जिनयी लियू और जिंग्यू शी को 238-237 से हराकर भारत के कंपाउंड तीरंदाजों के लिए गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की। यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत फाइनल में दो पॉइंट से पीछे था और चीन की बढ़त को खत्म करने के लिए उसे एक मजबूत फिनिश की जरूरत थी। तीसरे और पांचवें शॉट में दो 9 के बाद शुरुआती एंड के बाद भारत 58-60 से पीछे हो गया। भारतीय तीरंदाजों ने आगले एंड में छह परफेक्ट 10 के साथ जवाब दिया, लेकिन फिर भी 118-120 से पीछे थे। तीसरे एंड के बाद अंतर एक पॉइंट घटकर 178-179 रह गया, जिससे एक तनावपूर्ण फिनिश की स्थिति बन गई। इसके बाद चीन के जियाओ लियाओ ने 8 का शॉट मारा, जिससे भारत के लिए दरवाजा खुल गया।

‘यह मेरे पिता का सपना था’, गोल्ड मेडल जीतने के बाद बोलीं आर्चर चिकिथा तनिपार्थी

ओकाजाकी एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मिक्स्ट कंपाउंड आर्चरी टीम ने गोल्ड जीता है। राजेश जाधव और चिकिथा तनिपार्थी की जोड़ी ने मिक्स्ट कंपाउंड इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया को एक रोमांचक शूट-आउट में हराया। जीत के बाद चिकिथा तनिपार्थी ने कहा कि यह उनके पिता का सपना था। चिकिथा ने देशवासियों से एशियन गेम्स के दौरान एथलीटों को देखने और उनका सहयोग करने की अपील की। जीत के बाद बात करते हुए चिकिथा तनिपार्थी ने कहा, ‘मैं पदक तालिका बराबर देख रही हूं। मैं सोच रही थी कि हमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। आखिरकार हमें सोना मिल गया।

ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाली हम पहली भारतीय टीम हैं। मैं शांत रहने और आत्मविश्वास बनाए रखने की कोशिश कर रही हूं।’ उन्होंने कहा, ‘मैं मेडल को अपने माता-पिता और देशवासियों को समर्पित करना चाहती हूं, जिन्होंने हमारा समर्थन किया। गोल्ड मेडल जीतने का सपना मेरे पिता का है। मैं अपने पिता की बदौलत ही आर्चरी में आई। अभिषेक वर्मा ने भी मुझे बहुत गाइड किया। साई में विवेक सर के साथ ट्रेनिंग कर रही हूं।’

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ति दुबे
द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए.
कालोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से
प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकुआं
लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को
लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटया
जायेगा।

टेलीफैक्स: 0522.3564414
फोन: 919839666352
आर.एन.आई.:
UPHIN/2004/18844
डाकपंजीकरण:-
जी-2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004-5
E-mail:
lokhashtakshap@gmail.com
संपादक : दीप्ति दुबे
स्थानीय संपादक : अजय अजय
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

टैक्स आधार बढ़ाकर मजबूत करेंगे हरियाणा की राजस्व व्यवस्था: मुख्यमंत्री

वर्ष 2030 तक कर-राजस्व जीएसटीपी के 10 प्रतिशत और 2047 तक 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य

लोक हस्तक्षेप समाचार

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की अपनी राजस्व व्यवस्था को मजबूत करने का लक्ष्य करेंगे की दर बढ़ाकर नहीं, बल्कि कर आधार का विस्तार, बेहतर अनुपालन, राजस्व हानि पर रोक और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग के माध्यम से हासिल किया जाएगा। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि ईमानदार करदाता पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना राज्य की वित्तीय क्षमता को बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री बुधवार को विकसित हरियाणा 2047 के लिए 'हरियाणा की अपनी कर-राजस्व व्यवस्था' के विश्लेषण व मजबूती के लिए आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट (एसजेएचआईएफएम) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन, वित्त

विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण गुप्ता, आबकारी एवं कराधान विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती आशिमा बराड़, एसजेएचआईएफएम के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू तथा सलाहकार एनके बिश्नोई सहित नीति-निर्माता, कर प्रशासक, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मजबूत राजस्व व्यवस्था का अंतिम उद्देश्य केवल अधिक राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि उससे बेहतर सड़कें, स्कूल, अस्पताल और सार्वजनिक सेवाएं उपलब्ध करवाकर आमजन के जीवन में सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि करदाता को नियमों और प्रक्रियाओं की स्पष्ट जानकारी मिले तथा कर अनुपालन उसके लिए सरल और पारदर्शी हो, यह सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों, अप्रैल से अगस्त तक, हरियाणा का राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी) संग्रह 29 प्रतिशत बढ़कर 24,662 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संग्रह 19,174 करोड़ रुपये था। अगस्त 2026 में भी हरियाणा के एसजीएसटी संग्रह में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि राष्ट्रीय औसत वृद्धि 13

प्रतिशत रही।

उन्होंने कहा कि देश के कुल जीएसटी करदाताओं में हरियाणा की हिस्सेदारी 4 प्रतिशत से कम है, लेकिन देश के कुल जीएसटी संग्रह में राज्य का योगदान लगभग 7.7 प्रतिशत है। अब आवश्यकता इस वृद्धि को स्थायी राजस्व क्षमता में बदलने की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था से उद्योग और सेवा क्षेत्र आधारित अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से आगे बढ़ा है। गुरुग्राम में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत सेवाओं का विस्तार हो रहा है। गन्नाौर में इंडिया इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्केट, आईएमटी खरखोदा में वाहन निर्माण निवेश तथा रेवाड़ी, हिसार और अन्य क्षेत्रों में औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स परियोजनाएं राज्य की आर्थिक गतिविधियों को नई गति दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि पानीपत का टेक्सटाइल उद्योग, अंबाला का वैज्ञानिक उपकरण उद्योग, हिसार का स्टील उद्योग, यमुनानगर का प्लाईवुड उद्योग तथा रोहतक का नट-बोल्ट और ऑटो-कंपोनेंट उद्योग जैसे पारंपरिक एमएसएमई क्लस्टर भी राज्य की आर्थिक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर

नया उद्योग, निवेश और उद्यम रोजगार के साथ-साथ नए राजस्व की संभावनाएं भी पैदा करता है।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य की आर्थिक क्षमता की तुलना में हरियाणा का अपना कर-राजस्व अभी जीएसटीपी के 7 प्रतिशत से कम है। इसे वर्ष 2030 तक 10 प्रतिशत और वर्ष 2047 तक 15 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह लक्ष्य करों की दरें बढ़ाकर हासिल नहीं किया जाएगा। इसके लिए मौजूदा राजस्व व्यवस्था की दक्षता, कवरेज और उत्पादकता बढ़ाने, कर आधार का विस्तार करने, नियमों के पालन को बढ़ावा देने और राजस्व की हानि रोकने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दर नहीं, आधार बढ़ाना है, बोझ नहीं, अनुपालन बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश का कार्यभार संभाला है तब से बाहरी निवेशकों का विश्वास भारत में बढ़ा है। विकसित हरियाणा से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पुराने लंबित कर विवादों के समाधान के लिए 'हरियाणा एकबारगी व्यवस्थापन स्कीम, 2026' लागू की गई है। इसका उद्देश्य पुराने मामलों का निपटारा करना और अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम

करना है। वर्ष 2025 की योजना का लाभ लगभग 1 लाख 15 हजार व्यापारियों ने उठाया था। व्यापारियों की सुविधा के लिए इस वर्ष की योजना की अवधि बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी गई है। उन्होंने कहा कि 'पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0' और 'ऑटो म्यूटेशन सिस्टम' के माध्यम से पंजीकरण और इंतकाल की प्रक्रियाओं को डिजिटल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की राजस्व व्यवस्था डेटा आधारित और आधुनिक तकनीक से सक्षम होनी चाहिए। जीएसटी, पंजीकरण, परिवहन, बिजली, शहरी विकास तथा अन्य सरकारी प्रणालियों के आंकड़ों को आपस में जोड़कर आर्थिक गतिविधियों की व्यापक तस्वीर तैयार की जा सकती है। इससे राजस्व की संभावनाओं और कमियों की पहचान करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, उन्नत डेटा विश्लेषण और एकीकृत डेटाबेस के माध्यम से जोखिम की पहचान, राजस्व हानि रोकने और नियमों के अनुपालन को बेहतर किया जा सकता है। हालांकि, तकनीक का उद्देश्य केवल निगरानी नहीं होना चाहिए, बल्कि ईमानदार करदाताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाना भी होना चाहिए।

अजमेर में इजरायली महिला से छेड़छाड़, वीडियो वायरल होने के बाद चार आरोपितों को दबोचा

अजमेर, एजेंसी। इजरायली महिला पर्यटक से अभद्रता के बहुप्रसारित वीडियो पर अजमेर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। महिला पर्यटक जब किशनगढ़ डीपिंग यार्ड में वीडियो बना रही थी, तब कुछ युवकों ने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और अश्लील टिप्पणियां कीं। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित होने के बाद अजमेर पुलिस ने स्वतः संज्ञान लिया और मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, बहुप्रसारित वीडियो में कुछ युवक विदेशी महिला पर्यटक के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते और आपत्तिजनक टिप्पणियां करते दिखाई दे रहे थे। वीडियो सामने आने के बाद गांधीनगर थाना पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई और घटना में शामिल युवकों की पहचान के लिए तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण शुरू किया। एसपी अजमेर हर्षवर्धन अग्रवाल के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में मोहम्मद फुरखान, मोहम्मद अनीस, फरहान और अख्तर अली शामिल हैं। सभी किशनगढ़ क्षेत्र के निवासी हैं। पकड़े गए आरोपितों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के साथ प्रधानमंत्री से मिलेंगे हरियाणा के भाजपा विधायक

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और हरियाणा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता की अगुवाई में हरियाणा के सभी भाजपा विधायक आगामी तीन अक्टूबर को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे।

पिछले 17सितम्बर से शुरू हुए सेवा संकल्प माह के बीच विधायकों की प्रधानमंत्री के साथ यह मुलाकात तीन अक्टूबर को दोपहर करीब 3 बजे प्रस्तावित है। भाजपा की ओर से सभी विधायकों को दिल्ली पहुंचने के निर्देश दिे गए हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात से पहले सभी विधायक दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में एकत्र होंगे। दोपहर करीब 2 बजे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ विधायकों के लिए भोज रखा गया है। इस दौरान मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता विधायकों के साथ बातचीत करेंगे। माना जा रहा है कि इसी दौरान प्रधानमंत्री के साथ होने वाली बैठक

को लेकर जरूरी बिंदुओं पर भी चर्चा हो सकती है।

सभी विधायकों का एक साथ प्रधानमंत्री से मिलना सरकार और संगठन के बीच तालमेल के लिहाज और भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में प्रदेश से जुड़े विकास कार्यों, सरकार की योजनाओं और संगठनात्मक गतिविधियों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। हालांकि प्रधानमंत्री के साथ बैठक का विस्तृत एजेंडा अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा सरकार के कामकाज और जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर विधायकों से फीडबैक भी ले सकते हैं। विधायक अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े विकास कार्यों और स्थानीय स्तर की प्राथमिकताओं की जानकारी रख सकते हैं। इसके अलावा संगठन और सरकार के स्तर पर चल रहे कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

कार्यक्रम के मुताबिक, पहले

हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री के साथ दोपहर बोझ और बैठक होगी। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता और सभी भाजपा विधायक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के लिए रवाना होंगे।

हाल के दिनों में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता प्रदेश में पार्टी के कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों में साथ नजर आए हैं। हरियाणा सरकार की ओर से जारी जानकारी में भी दोनों के एक साथ कार्यक्रमों में शामिल होने का उल्लेख है।

एक मंच पर सरकार-संगठन के नेता

3 अक्टूबर की बैठक को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसमें मुख्यमंत्री, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और पार्टी के सभी विधायक एक साथ प्रधानमंत्री के सामने होंगे। इससे विधायकों को सीधे प्रधानमंत्री के साथ संवाद का अवसर मिलेगा और प्रदेश से जुड़े मुद्दों को केंद्रीय स्तर तक रखने का मौका भी मिलेगा।

रायपुर में इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा सीजीपीएससी भर्ती घोटाले का आरोपित खाता दिखा लड्डू

जेल प्रहरी बर्खास्त

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती घोटाले में जेल में बंद आयोग के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी को आंबेडकर अस्पताल में वीआईपी सुविधा दिए जाने का मामला सामने आया है। अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। इसमें सोनवानी अपनी पत्नी और बेटे के साथ बैठे बातचीत करते और लड्डू खाते दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद जेल अधीक्षक ने एक जेल प्रहरी को सेवा से बर्खास्त कर दिया है, जबकि दो की बर्खास्तगी के लिए संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखा है। सोनवानी को बीते माह पेसमेकर लगाया गया था। इसके फालोअप के लिए आरोपित को अस्पताल लाया गया था। आरोप है कि उनके अस्पताल पहुंचने की जानकारी पहले ही खजन को दे दी गई थी। उन्हें ओपीडी गेट से प्रवेश कराने के बाद कार्डियोलॉजी विभाग के बरामदे में बैठाया गया। करीब 10 मिनट बाद उनकी पत्नी और बेटा वहां पहुंचे। दोनों ने करीब 15 मिनट तक सोनवानी से बातचीत की।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक ‘लोक हस्तक्षेप’ के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की ।



विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं ।



सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें ।



lokhastakshepcorp@gmail.com



WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप

The power of truth

वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली

21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली